उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

गणेश महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

बी.पी. साहू (संपादक)

www.bpsnews.in

वर्ष: 11 || अंक: 33 || पृष्ठ: 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 14 सितंबर-2026

अंदर के पृष्ठ पर

बाढ़ राहत शिविर में एक्सपायर्ड सिरप वितरण मामले पर सीएमओ का कड़ा रुख 3

भारत नेविगेशन की आजादी का करता है समर्थन: पीएम मोदी 5

ब्रिक्स सम्मेलन में भारत की कूटनीतिक ताकत का दिखा असर, पीएम मोदी ने 3 दिन में कीं 15 द्विपक्षीय बैठकें

अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य एशिया और खाड़ी देशों के नेताओं के साथ बातचीत ने भारत की व्यापक वैश्विक साझेदारी को रेखांकित किया

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का सफल समापन हो गया। सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में संयुक्त बयान को मंजूरी और नई दिल्ली घोषणापत्र को माना जा रहा है। घोषणापत्र में भारत की प्राथमिकताओं और बदलती वैश्विक परिस्थितियों को लेकर स्पष्ट संकेत और संदेश दिखाई दिए। इस दौरान दुनिया ने भारतीय कूटनीति की बढ़ती प्रभावशीलता भी देखी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान तीन दिनों में विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के साथ करीब 15 औपचारिक द्विपक्षीय बैठकें कीं। इसके अलावा उन्होंने कई वैश्विक नेताओं और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रमुखों के साथ अलग से मुलाकात और अनौपचारिक बातचीत भी की। इस तरह ब्रिक्स सम्मेलन भारत के लिए केवल बहुपक्षीय विचार-विमर्श का मंच नहीं रहा, बल्कि कई देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर भी बना।

रूस से ईरान तक, भारत के रणनीतिक हितों पर हुई चर्चा

प्रधानमंत्री मोदी की द्विपक्षीय कूटनीति की शुरुआत 11 सितंबर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक से हुई। भारत और रूस के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी, रक्षा सहयोग और ऊर्जा संबंधों के बीच यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण वैश्विक भू-राजनीतिक समीकरण लगातार बदल रहे हैं।

इसी दिन प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से भी मुलाकात की। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और होर्मुज स्ट्रेट को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच भारत-ईरान संबंधों का महत्व और बढ़ गया है। चाबहार बंदरगाह, मध्य एशिया तक संपर्क, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दे भारत के लिए ईरान को महत्वपूर्ण साझेदार बनाते हैं।

प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी मुलाकात की। वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करना, बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार और संयुक्त राष्ट सुधार भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के प्रमुख एजेंडे में शामिल रहे।

12 सितंबर को कई देशों के नेताओं से मुलाकात

12 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी की द्विपक्षीय बैठकों का सिलसिला और तेज हुआ। उन्होंने इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन मुलाकातों में रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग, ऊर्जा, निवेश, व्यापार, दुर्लभ खनिज, अंतरिक्ष और संपर्क समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई।

यूएई के नेतृत्व के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत भी महत्वपूर्ण रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत ईरान के साथ अपने पारंपरिक संबंधों के अलावा यूएई और अन्य अरब खाड़ी देशों के साथ अपनी रणनीतिक एवं आर्थिक साझेदारी को भी मजबूत बनाए रखना चाहता है।

मोदी-शी मुलाकात पर टिकी रहीं निगाहें

12 सितंबर की सबसे चर्चित बैठकों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात रही। गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन संबंधों में आए तनाव के बीच दोनों देशों ने हाल के समय में संबंधों को स्थिर करने की दिशा में कदम उठाए हैं। ऐसे में ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान हुई मोदी-शी बैठक को दोनों देशों के बीच संवाद प्रक्रिया के लिहाज से अहम माना गया।

चीन ब्रिक्स का प्रमुख सदस्य होने के साथ भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार भी है। हालांकि सीमा, व्यापार और रणनीतिक मुद्दों को लेकर दोनों देशों के बीच मतभेद अभी भी कायम हैं, लेकिन उच्चस्तरीय संवाद संबंधों को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

शुभेंदु सरकार की बड़ी कार्रवाई

पश्चिम बंगाल में 252 मदरसों को बंद करने का आदेश

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता।पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्यभर में किए गए सर्वेक्षण के बाद 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया है। वहीं, करीब 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, इन संस्थानों में जरूरी मंजूरी और बुनियादी ढांचे की कमी पाई गई है।

अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के मंत्री क्षुदिराम टुडू ने कहा कि जिन मदरसों के पास जरूरी मंजूरियां हैं, वे चलते रहेंगे। उन्होंने बताया कि विभाग ने जून की शुरुआत से राज्य के सभी जिलों में सरकारी और निजी मदरसों का क्षेत्रीय स्तर पर सर्वेक्षण कराया था।

सर्वेक्षण में मदरसों के बुनियादी ढांचे, मंजूरी की स्थिति और प्रबंधन व्यवस्था का आकलन किया गया। अधिकारियों ने बताया कि करीब 100 मदरसों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। उनके जवाबों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। टुडू ने बताया कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निर्देश

पर यह प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य अलग-अलग जिलों में अधिकृत और अनधिकृत मदरसों की संख्या का पता लगाना था। मंत्री ने कहा, 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया गया है, जबकि 100 अन्य को जरूरी मंजूरी और बुनियादी ढांचा नहीं होने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। राज्य के पंचायती राज मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि मदरसों को लेकर कई बार विवाद सामने आए हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ मामलों में चरमपंथी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किए गए लोग ऐसे संस्थानों में शिक्षक के रूप में काम करते पाए गए।

उन्होंने कहा, मदरसों के खिलाफ बार-बार शिकायतें मिली हैं। ऐसे मामले सामने आए हैं, जब इन संस्थानों से लोग राष्ट्रविरोधी गतिविधियां कर रहे थे।

चंद्रशेखर रावण के काफिले के सामने आए रोहिणी घावरी के समर्थक

जमकर चले जूते-चप्पल; दो घंटे धरने पर बैठे सांसद

» बीपीएस न्यूज

रामनगर/बाराबंकी। गोंडा जा रहे आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर रावण के काफिले का सामना उनकी गर्लफ्रेंड रोहिणी घावरी के समर्थकों से हो गया। दोनों पक्षों में तनाव तो उपजा ही साथ ही जूते चप्पल भी चले। नाराज सांसद की सीओ से बहस हुई फिर वह दो घंटे तक सड़क पर ही बैठे रहे। जमकर नारेबाजी के बीच फिर हुई बातचीत के बाद उनका काफिला बाराबंकी वापस हुआ। गोंडा में बर्तन व्यापारी हत्याकांड को लेकर सियासी उबाल जारी है। रविवार को नगीना सांसद चंद्रशेखर रावण भी काफिले के साथ गोंडा जा रहे थे। पुलिस ने बुढ़वल चौराहे के स्टेशन मोड़ पर बैरिकेडिंग लगाकर काफिला रोक दिया। सांसद को रोके जाने की सूचना पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। इसी दौरान रोहिणी घावरी के समर्थन में सैकड़ों लोग बैनर-पोस्टर लेकर न्याय की मांग करते हुए वहां पहुंच गए। दोनों पक्षों के आमने-सामने आने से मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस दौरान दोनों ओर से जूते-चप्पल भी फेंके गए। पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति को नियंत्रित किया।

पुलिस प्रशासन ने सांसद के काफिले को स्टेशन मार्ग से बुढ़वल स्थित अतिथिगृह ले जाने का प्रयास किया, लेकिन चंद्रशेखर अपने समर्थकों के साथ स्टेशन मार्ग पर ही बैठ गए और नारेबाजी करते हुए धरना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे समर्थकों की भीड़ बढ़ती गई। करीब दो घंटे तक चले धरना-प्रदर्शन में जिला प्रशासन, पुलिस और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। पुलिस अधिकारियों ने सांसद और पार्टी कार्यकर्ताओं से वार्ता कर प्रदर्शन समाप्त कराने का प्रयास किया। काफी देर चली बातचीत के बाद धरना समाप्त हुआ। इसके बाद सांसद के काफिले को वापस भेज दिया गया। हत्याकांड के आरोपियों को संरक्षण दे रही सरकाररामनगर- गोंडा जाने से रोके जाने के विरोध में धरने पर बैठे सांसद चंद्रशेखर आजाद ने पुलिस प्रशासन पर अभद्रता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक पुलिसकर्मी ने डंडा लगाकर उन्हें धकेलने का प्रयास किया। संबंधित

पुलिसकर्मी को बुलाकर माफी मंगवाने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि ऐसा नहीं हुआ तो मुख्यमंत्री आवास पर जाकर धरना-प्रदर्शन करेंगे। प्रशासन ने सांसद के आरोपों को खारिज करते हुए इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

पत्रकारों से बातचीत में सांसद ने बर्तन व्यापारी विनोद साहनी हत्याकांड की सीबीआई जांच कराने, मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार हत्याकांड में शामिल लोगों को बचा रही है, इसी कारण अभी तक सभी आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। रोहिणी समर्थकों की बात छेड़ने पर वह बोले कि यह सब भाजपा का किया धरा है।

नारेबाजी कर पैदल मार्च, घंटों चली बातचीत

रामनगर से वापस लौट रहे नगीना सांसद चंद्रशेखर को बाराबंकी शहर की सीमा पर कोतवाली पुलिस ने रोक लिया। आरोप अभ्रदता के लगे जिसके बाद सांसद अपने समर्थकों के साथ पैदल ही एसपी कार्यालय की ओर चल दिए। कार्यालय में एएसपी दक्षिणी रितेश सिंह व सीओ रामनगर गरिमा पंत से घंटों बातचीत चली। इस दौरान सीओ रामनगर में रोहिणी समर्थकों के प्रदर्शन पर अपनी बात रखती रहीं, तो सांसद ने असंतोष जाहिर किया। वहीं शहर में आते समय पुलिस के रवैये से नाराज सांसद ने माफी मांगने की बात रखी। वह देर रात तक एसपी कार्यालय में समर्थकों के साथ जमे रहे। बातचीत का नतीजा जानने के लिए संपर्क के प्रयास पर एएसपी व सीओ के मोबाइल पर बेल जाती रही हालांकि सीओ रामनगर के हमराही ने सांसद के लखनऊ निकल जाने की पुष्टि की।

बसपा में फूट: मायावती बोलीं-मेरे खिलाफ चल रहे हैं षड्यंत्र फोन आते हैं कि क्या बहन जी बीमार हैं? आकाश पर सवाल

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को उन लोगों से सावधान रहने को कहा जो पार्टी से निकाले जाने के बाद उनकी तबीयत के बारे में अफवाहें फैला रहे हैं। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को जारी अपने बयान में कहा कि बीते एक-दो दिनों से पार्टी के लोगों में यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि मैं काफी बीमार चल रही हूं। तभी मीडिया में सीधे नहीं आकर बड़े मामले भी सोशल मीडिया में पोस्ट कर रही हूं।बसपा सुप्रीमो ने खुलासा किया कि मेरे निवास स्थान पर पार्टी इंचार्ज आलोक कुमार के पास कल रात करीब 10-04 बजे पर आकाश आनंद का फोन आया था। उन्होंने पूछा कि बहनजी क्या बीमार हैं। उनका स्वास्थ्य कैसा है।

आलोक ने जवाब में कहा कि वो बिल्कुल ठीक हैं। आकाश ने यह बात मुझे नहीं बताने की बात कहकर फोन रख दिया। इस मामले में आकाश की यह मानसिकता सही या गलत भी हो सकती है क्योंकि आकाश अभी अपने दिमाग से नहीं बल्कि अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के दिमाग से ही काम कर रहा है। इससे साफ है कि अशोक सिद्धार्थ का षड्यंत्र अभी जारी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में मैंने पार्टी व मूवमेंट के हित में जो कड़े फैसले लिए हैं, उनसे फायदा हो रहा है और डॉ. आंबेडकर एवं बसपा संस्थापक कांशीराम का अधूरा कारवां रफ्तार पकड़ रहा है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि बीती 3 सितंबर को पार्टी की ऑल इंडिया बैठक में पार्टी संगठन के राज्यों को तीन सेक्टर में बांटा गया था। सेक्टर 1 में यूपी व उत्तराखंड राज्य शामिल किए गए थे, जो मेरी देखरेख व दिशा-निर्देशन में पार्टी प्रदेश कार्यालय से सीधे देखे जा रहे हैं। बाकी राज्यों में जहां पार्टी का संगठन है, उन्हें दो सेक्टर में बांटा था। साथ ही मुख्य सेक्टर प्रभारी का पद भी बनाया गया था, जो खत्म कर दिया गया है। अब सेक्टर 2 और 3 के केंद्रीय प्रभारी हर डेढ़ महीने में दिल्ली पार्टी कार्यालय में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार को अपनी प्रगति रिपोर्ट देंगे। आनंद उनके सेक्टरों में भी जाएंगे, फिर अपनी रिपोर्ट मुझे देंगे। मैं सीधे फोन पर भी सेक्टर प्रभारियों से रिपोर्ट लेती रहूंगी।

बाढ़ पर सियासत: तेजस्वी बोले- 45 लाख से अधिक लोग प्रभावित, डबल इंजन सरकार के दोनों इंजनों में लगी आग

» बीपीएस न्यूज

पटना। बिहार में बाढ़ को लेकर सियासत तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष और राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने रविवार को राज्य सरकार और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि बिहार में 45 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार इस संकट को लेकर गंभीर नहीं हैं। तेजस्वी ने कहा कि बिहार की डबल इंजन सरकार के दोनों इंजनों में आग लगी हुई है, इसलिए बाढ़ पीड़ितों को सहायता नहीं मिल रही है।

तेजस्वी यादव ने पटना स्थित अपने आवास पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर बिहार की बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने और विशेष आर्थिक पैकेज देने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखा गया है, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई गंभीर कार्रवाई नहीं हुई है।

तेजस्वी ने कहा कि बिहार से एनडीए के 31 लोकसभा सांसद और सात केंद्रीय मंत्री हैं। इसके बावजूद बाढ़ की विभीषिका झेल रहे लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार के केंद्रीय मंत्रियों में इतनी राजनीतिक हैसियत नहीं है कि वे केंद्र से राज्य के लिए पर्याप्त सहायता राशि दिला सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जुलाई में आकस्मिक निधि से करीब 4000 करोड़ रुपये निकाले। तेजस्वी ने दावा किया कि इसका इस्तेमाल वेतन और अन्य मदों में किया गया।

यूपी चुनाव 2027: 'अखिलेश से बेहतर योगी' के नारे पर दांव लगाएगी भाजपा, मैराथन बैठक में हुआ मंथन

जमकर चले जूते-चप्पल, दो घंटे धरने पर बैठे सांसद

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा 'अखिलेश से बेहतर योगी' के नैरेटिव को लेकर मैदान में उतरेगी। पार्टी का सुझाव है कि विपक्ष द्वारा सरकार को लेकर प्रचारित नकारात्मक बातों का तथ्यों के साथ जवाब दिया जाएगा। ये सुझाव शनिवार को भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में चुनाव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में सामने आए।

पार्टी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष, प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े और सह प्रभारी जगदीश ईश्वर भाई पटेल ने अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और पार्टी पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठक कर वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों से सुझाव लिए। ज्यादातर पदाधिकारियों ने सुझाव दिए कि विपक्ष के नैरेटिव में उलझने के बजाय पार्टी को विकास और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर काम करना चाहिए। खासकर सपा के पीडीए को लेकर विपक्ष जिस तरह से आक्रामक है, उसका जवाब सोशल मीडिया से दिया जाए।करीब चार घंटे तक चली बैठक में बीएल संतोष ने कहा कि अब चुनाव होने में कम ही समय बचा है, इसलिए सरकार क्या-क्या कर सकती है इस पर फोकस होना चाहिए। पदाधिकारियों ने सुझाव दिया कि विपक्ष जिस तरह से सरकार के खिलाफ नैरेटिव बना रही है उसका जवाब देने के लिए जनता को सपा सरकार की कमियों को प्रमाणिक तरीके से जनता को बताना होगा। वहीं, भाजपा सरकार के अच्छे कामों, कानून-व्यवस्था, जनसुविधाओं, महिला सुरक्षा, औद्योगिक विकास, सड़क बिजली और रोजगार के लिए किए गए बेहतर कार्यों के जरिये समझाना होगा।

जातियों को लेकर विपक्ष के नैरेटिव से भी निपटने पर चर्चा हुई। नेताओं ने सुझाव दिए कि सपा के पीडीए फॉर्मूले के जवाब में भाजपा सभी जातियों को हिंदू समाज के

तौर पर पेश करेगी। बैठक में सभी प्रदेश महामंत्रियों के अलावा चार पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही और राम रमापति त्रिपाठी भी शामिल थे। तीन पूर्व उपाध्यक्षों संतोष सिंह, त्रयंबक त्रिपाठी और धर्मेंद्र सिंह को भी बैठक में बुलाया गया था।पदाधिकारियों ने सुझाव दिए कि थाने-तहसील पर सुनवाई न होने से जनता में नाराजगी है। इसे दुरुस्त करने की जरूरत है। क्षेत्रीय व स्थानीय पार्टी के पदाधिकारियों की भी अधिकारी नहीं सुनते, जिससे जनता के बीच गलत संदेश जा रहा है। बैठक में बताया गया कि कई ऐसे अधिकारी हैं जो अंदरखाने से सपा के पक्ष माहौल बनाने में जुटे हैं। ऐसे अधिकारियों को चिह्नित करने की जरूरत है।

महामंत्रियों को दिया जीत का टास्क

बीएल संतोष ने सभी महामंत्रियों के साथ अलग से भी बैठक की जिसमें उन्होंने एक महीने तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने के साथ ही विधानसभा चुनाव जीतने का भी टास्क दिया है। उन्हें क्षेत्र में प्रवास करने और जनता से नियमित संवाद करने को भी कहा गया है। संतोष ने मोर्चा और प्रकोष्ठों के गठन का काम भी जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

नकली सिक्कों की फैक्टरी पकड़ी, 70 करोड़ से ज्यादा के सिक्के बाजार में खपाए, पांच गिरफ्तार

सहारनपुर। नकली नोटों के बाद अब नकली सिक्कों का बड़ा खेल सामने आया है। शहर कोतवाली पुलिस ने एसओजी और सर्विलांस टीम के साथ मिलकर नकली सिक्के बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1.28 लाख रुपये के नकली सिक्के, छह मशीनें, सिक्के बनाने की डाई, अधबने सिक्के और उपकरण बरामद किए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी अब तक बाजार में 70 करोड़ रुपये से ज्यादा के नकली सिक्के बाजार में खपा चुके हैं।

पुलिस लाइन में एसएसपी अभिनंदन सिंह ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि पुलिस को कुछ दिनों से नकली सिक्के चलने की सूचना मिल रही थी। शहर कोतवाली पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने गिरोह को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इसी मामले में एक दिन पहले ही दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान अन्य सदस्यों के नाम भी सामने आए। रविवार को पुलिस टीम ने जुबली पार्क से उपकार लूथरा उर्फ अभय प्रताप सिंह निवासी टावर डी-पांच पेंटाहोम सोसायटी जिरकपुर मोहाली, हिमांशु उर्फ गुल्लू निवासी बरसी, कुलदीप निवासी आवास विकास, संतोष चौरसिया उर्फ जनार्धन निवासी लड्डू गांव मधुबनी बिहार और अनुराग पाल उर्फ लंकेश निवासी पीपरीश रामेश्वरम जिला संत रविदासनगर को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 1.28 लाख (20-20 के 6400 नकली सिक्के), पांच लाख के अधबने सिक्के, 500-500 रुपये के 20 नोट, सिक्के तैयार करने वाली छह मशीनें, लोहे की पांच डाई, बिना मुहर की 39 डाई और मुहर लगी 20 डाई, आठ मोबाइल फोन, डाई पॉलिश मशीन, दो घिसाई पत्थर, दो कार और अन्य उपकरण बरामद हुए। सात हिसाब रजिस्टर, पैड और एक चेकबुक भी बरामद हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी अब तक बाजार में 70 करोड़ रुपये से ज्यादा के नकली सिक्के चला चुके थे। हरियाणा के सोनीपत में प्लांट लगा था।

अपनी बात....

संपादकीय ....

भारतीयों को निशाना बनाने के ओछे हथकंडे

यूं तो ट्रंप प्रशासन भारतीयों को नस्लीय आधार पर निशाना बनाने का मौका कभी नहीं छोड़ता, लेकिन हाल ही में अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी यानी डीएचएस द्वारा जारी एक विवादित विज्ञापन ने उसकी संकीर्ण सोच को ही उजागर किया है। हालांकि, अमेरिका के हिंदू,सिख संगठनों और डेमोक्रेट नेताओं द्वारा पुरजोर विरोध करने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया वह विज्ञापन हटा लिया गया, जिसमें 'मिस्टर सिंह' को निशाना बनाया गया था। निश्चित रूप से इस अप्रिय घटना को सिर्फ एक पोस्ट हटाने के बावजूद नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरे अर्थों में यह अमेरिका में भारतीयों को लगातार निशाना बनाने की लगातार की जा रही कोशिशों का ही हिस्सा भर है। दरअसल, अमेरिका में बिना लाइसेंस वाले कमर्शियल ड्राइवरों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत जारी इस विज्ञापन में एआई के जरिये बनाई गई, एक दाढ़ी वाले गेहुंआ रंग के व्यक्ति की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया था। इसके साथ अभद्र भाषा के साथ चेतावनी वाला संदेश भी लिखा गया था- 'हमारी सड़कों से हट जाओ, तुम्हें गाड़ी चलाना नहीं आता, मिस्टर सिंह।'

उसके बाद धमकी दी गई थी, 'खुद देश छोड़कर चले जाओ या अंजाम भुगतो।' दशकों से पूरी दुनिया की सरकारों को मानवता, धर्मनिरपेक्षता, मौलिक अधिकार, समरसता जैसे भारी-भरकम शब्दों के जरिये अस्थिर करने के प्रयासों में लगा अमेरिका अपनी इस कवायद से बेनकाब होता नजर आया है। स्वाभाविक रूप से इस विज्ञापन के सामने आने के बाद भारतीय-अमेरिकियों और सिख संगठनों के साथ-साथ डेमोक्रेट नेताओं ने भी इस पोस्ट को नस्लवादी और भेदभावपूर्ण बताकर घोर निंदा की है। इसमें दो राय नहीं कि आप्रवासन कानून को लागू करने या खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में कुछ भी गलत नहीं है। असल में, जब लापरवाही या आपराधिक व्यवहार के कारण मौतें होती हैं, तो सरकारों का यह भी कर्तव्य होता है कि वह कार्रवाई करें। लेकिन कानून का पालन व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर होना चाहिए न कि उसकी जाति, रूप-रंग, धर्म या उपनाम के आधार पर किया जाए।इसमें दो राय नहीं है कि भारतीय व अन्य प्रवासियों ने अपने खून-पसीने से अमेरिका की समृद्धि को सींचा है। उनकी समृद्धि अथक प्रयासों व कड़ी मेहनत का फल है जो आज गोरे अमेरिकनों को रास नहीं आता। अब तक भारतवंशियों का विरोध अमेरिका में गुपचुप ढंग से होता था, ट्रंप के शासनकाल में वह खुलकर सामने आने लगा है। अमेरिका की एक जिम्मेदार फेडरल एजेंसी डीएचएस जब इस तरह का कृत्य करती है तो यह शर्मनाक ही कहा जाएगा। उसके विज्ञापन में भारत में आदर से लिये जाने वाले 'सिंह' उपनाम का दुर्भावना से प्रयोग किया जाना विशेषकर चिंता की बात है। यह उपनाम सिखों में आम है और कुछ हिंदू भी इसका प्रयोग करते हैं। इस शब्द को गैर-कानूनी आप्रवासन या खतरनाक ड्राइविंग से जोड़ने से एक आम सांस्कृतिक पहचान को एक मजाक में बदले जाने का खतरा पैदा होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि सिख समुदाय को 9/11 के हमलों के बाद लगातार नफरत प्रेरित अपराधों का सामना करना पड़ा था। उनकी पहचान को अज्ञानतावश हमलावरों से जोड़ कर देखा जा रहा था। इस समुदाय के लिये यह दंश झेलना बेहद कष्टकारी रहा है। डीएचएस यह दलील दे सकता है कि इस अभियान का मकसद गंभीर अपराधों के आरोपी विदेशी नागरिकों से जुड़े कुछ खास मामलों को उजागर करना था। यदि ऐसा है तो इन मामलों की जांच होनी चाहिए। साथ ही जहां जरूरी हो, वहां कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिए। लेकिन किसी व्यक्ति विशेष की गलत हरकत को पूरे समुदाय पर शक करने की वजह नहीं बनाया जा सकता। निस्संदेह, सरकारों को लोगों की सुरक्षा को बढ़ावा देना चाहिए और कानूनी तौर पर होने वाले आव्रजन में मदद करनी चाहिए- न कि पूरे समुदाय का मजाक उड़ाकर बदनाम करना चाहिए। अमेरिका को चाहिए कि वह अपने कानूनों को निष्पक्ष रूप से लागू करे। सभी नागरिकों पर एक ही नियम-कानून लागू होने चाहिए। अब चाहे उनका सरनेम, धर्म, त्वचा का रंग या मूल नागरिकता किसी भी देश की हो।

'खुद देश छोड़कर चले जाओ या अंजाम भुगतो।' दशकों से पूरी दुनिया की सरकारों को मानवता, धर्मनिरपेक्षता, मौलिक अधिकार, समरसता जैसे भारी-भरकम शब्दों के जरिये अस्थिर करने के प्रयासों में लगा अमेरिका अपनी इस कवायद से बेनकाब होता नजर आया है। स्वाभाविक रूप से इस विज्ञापन के सामने आने के बाद भारतीय-अमेरिकियों और सिख संगठनों के साथ-साथ डेमोक्रेट नेताओं ने भी इस पोस्ट को नस्लवादी और भेदभावपूर्ण बताकर घोर निंदा की है। इसमें दो राय नहीं कि आप्रवासन कानून को लागू करने या खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में कुछ भी गलत नहीं है।

अनसुनी न करें हिमालय की चेतावनियों को

निरंजन भंडारी

क्षेत्रीय स्तर पर, हिमालयी क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग लगभग न के बराबर है। जबकि इन देशों को साथ मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि जलवायु और पर्यावरण से जुड़ी आपदाएं राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानतीं, जैसा कि नेपाल की त्रासदी से पता चला है। सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेकांग जैसी बड़ी नदियां हिमालय से निकलती हैं और कई देशों से होकर गुजरती हैं। हिमालय लगातार खतरनाक आपदाओं के रूप में एक के बाद एक चेतावनियां दे रहा है—जैसे अचानक बाढ़, हिमस्खलन, ग्लेशियल झील के फटने से आई बाढ़, बादल फटना, भूस्खलन और ज़मीन का बुरी तरह धंसना। हमने केदारनाथ, धौलीगंगा, जोशीमठ, सिक्किम और अब नेपाल में इन्हें होते देखा है, अपने पीछे भारी तबाही छोड़ते हुए।हर आपदा के बाद, ग्लेशियरों की निगरानी, आरंभिक चेतावनी प्रणालियां विकसित करने, खतरे और जोखिमों की मैपिंग करने और बचाव संबंधी एवं नुकसान कम से कम रखने के उपाय करने की बातें होती हैं। कुछ हफ़्तों या महीनों के बाद, शोर-शराबा थम जाता है और सब कुछ पहले की भांति हो जाता है।हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं से निपटने के लिए एक बहुआयामी रणनीति की ज़रूरत है, जिसमें वैज्ञानिक शोध, नीति-निर्माण, क्रियान्वयन तंत्र, जन-जागरूकता और समुदाय की भागीदारी शामिल हो। विज्ञान ने हिमालय के पर्यावरण, खासकर ग्लेशियरों और जल प्रणालियों से जुड़ी स्थिति के खतरों के बारे में स्पष्ट राय दी है—कि क्या करने की ज़रूरत है समझने में क्या कमियां हैं।

भारत में, नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर ने रिमोट सेंसिंग तस्वीरों का इस्तेमाल करके भारतीय हिमालयी क्षेत्र में कुल मिलाकर लगभग 28,000 ग्लेशियल झीलों में से ज़्यादा जोखिम वाली 7,500 ग्लेशियल झीलों की मैपिंग की है। साथ ही, खतरनाक हो सकने वाली ग्लेशियल झीलों से बनने वाली बाढ़ की संभावना भी तैयार की है। इसमें बाढ़ का खतरा और अगर ये झीलें कभी टूटती हैं, तो नीचे बसे इलाकों तक बाढ़ की लहरें पहुंचने में लगने वाले संभावित समय का ब्योरा भी दिया गया है।

इस साल मार्च में, काठमांडू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) ने दो अहम रिपोर्टें प्रकाशित कीं—%1990 से 2020 तक हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों की बदलती गतिशीलता% और %एचकेएच ग्लेशियर आउटलुक 2026ः हिमालयी ग्लेशियरों की 50 साल की निगरानी से मिली जानकारी।%

इन रिपोर्टों के नतीजे चिंताजनक हैं। पहली रिपोर्ट हिंदू कुश क्षेत्र के 63,761 ग्लेशियरों के डेटा पर आधारित थी, जो 55,000 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा इलाके में फैले हैं और जिनमें अनुमानित 5,700 क्यूबिक किलोमीटर बर्फ का भंडार है। विश्लेषण से पता चला है कि इस इलाके में ग्लेशियर 1990 से लगातार सिकुड़ रहे हैं, जिससे कुल ग्लेशियर क्षेत्र में 12 प्रतिशत की कमी आई है और बर्फ के अनुमानित भंडार में 9 फीसदी की गिरावट हुई है।

ग्लेशियर सिकुड़ने की रफ़्तार सबसे ज़्यादा 2010 और 2020 के बीच बढ़ी, खासकर पूर्वी और मध्य हिस्सों में। सिंधु नदी बेसिन के ग्लेशियर क्षेत्र में 6 फीसदी की कमी आई, जबकि गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में क्रमशः 21 और 16 प्रतिशत की कमी देखी गई। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि ग्लेशियर के इस तरह सिकुड़ते जाने का सीधा नतीजा सूखे के मौसम में पानी की कमी और ग्लेशियल झील के टूटने से बनी बाढ़, हिमस्खलन, भूस्खलन और मलबे के बहाव जैसे जोखिम होंगे।निगरानी किए गए 38 ग्लेशियरों पर आधारित दूसरी रिपोर्ट संकेत देती है कि 'हिमालय के क्रायोस्फीयर (बर्फ वाले हिस्से) के कुछ हिस्से ऐसे नाजुक मोड़ के करीब हैं, जिसके बाद उनकी सिकुड़न को रोकना संभव नहीं होगा।' आईसीआईएमओडी के महानिदेशक पेमा ग्यामत्शो का नीति निर्माताओं के लिए सीधा संदेश था—'यह कोई दूर की समस्या नहीं है, बल्कि एक ऐसा संकट है जो वर्तमान में मुंह बाए खड़ा है, और हर गर्मी और मॉनसून में नई आपदाएं आ रही हैं। इस सदी में बर्फ घटने की दर दोगुनी हो गई है।'नेपाल में बनी नवीनतम आपदा के बाद ये शब्द लगभग भविष्यवाणी जैसे लगते हैं। ग्यामत्शो के अनुसार, 'यह अब अनदेखी की जा सकने वाली वह स्थिति नहीं रही कि अचानक से सामना हो; ये हमारा नया यथार्थ हैं।' ग्लेशियर गतिशीलता विज्ञान और 1974 से इकट्ठा किए गए सैटेलाइट एवं ज़मीनी डेटा के विश्लेषण पर आधारित यह शायद सबसे स्पष्ट चेतावनी थी।

वैज्ञानिक डेटा विश्लेषण से और कार्रवाई न करने के गंभीर नतीजों के बारे में चेतावनी देकर अपना काम कर रहे हैं, लेकिन नीति निर्माता, राजनेता और प्रशासन की प्रतिक्रिया धीमी, बिखरी हुई या उदासीन भी रही है। दुनिया भर में, आईपीसीसी की रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया सुस्त रही है, खासकर जब मुख्य मुद्दे को हल करने की बात आए—यानी ग्लोबल वार्मिंग के असर को कम करने के लिए उत्सर्जन में कटौती करना, जो सीधे तौर पर हिमालय को प्रभावित कर रहा है।

क्षेत्रीय स्तर पर, हिमालयी क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग लगभग न के बराबर है। जबकि इन देशों को साथ मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि जलवायु और पर्यावरण से जुड़ी आपदाएं राजनीतिक सीमाओं को नहीं मानतीं, जैसा कि नेपाल की त्रासदी से पता चला है। सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेकांग जैसी बड़ी नदियां हिमालय से निकलती हैं और कई देशों से होकर गुजरती हैं। उदाहरणार्थ, एक देश में भूस्खलन से दूसरे देश में प्रलयंकारी बाढ़ आ सकती है। कम से कम और कुछ नहीं तो डेटा और जानकारी साझा की जानी चाहिए, तत्पश्चात संयुक्त निगरानी और वैज्ञानिक सहयोग किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर पर भी, नीति-निर्माताओं ने लगातार विज्ञान पर आधारित चेतावनियों को नज़रअंदाज़ किया है। कई आपदाओं के बावजूद, आपदा के जोखिम को कम करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं, और जलविद्युत परियोजनाओं और बड़े बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी है। पिछले साल जुलाई में ग्लेशियर झील के फटने से ल्हेन्दे खोला नदी में आई बाढ़ ने नेपाल के रसुवा-नुवाकोट क्षेत्र में कम से कम एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचाया था, जो इस बार और बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। त्रिशूली बेसिन में कम से कम 36 जलविद्युत परियोजनाओं पर काम चल रहा है या पूरा होने के अलग-अलग चरणों में हैं। बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों ने इन परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों को व्यवस्थित रूप से नज़रअंदाज़ करके या कम आंककर अपना योगदान दिया है। भारत में भी उन घाटियों और बेसिन में जलविद्युत परियोजनाओं पर काम जारी है, जहां ग्लेशियल झील फटने से बनने वाली बाढ़, हिमस्खलन और मलबे के बहाव की आशंका पूरी-पूरी है।

पर्यावरण की दृष्टि से हिमालय के संवेदनशील क्षेत्र भू-राजनीतिक रूप से भी संवेदनशील हैं, जिनमें भारत, चीन और नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र शामिल हैं। इसलिए, सरकारें पर्यावरणीय चिंताओं और चेतावनियों की परवाह किए बिना रणनीतिक उद्देश्यों के लिए बुनियादी ढांचे का विकास करना चाहती हैं।

वायरल डायलॉग : जेन-जी हुए दिमागी नक्सली तो विपक्ष बना नाराज फूफा

राजनीतिक विशलेषक/ जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

आरक्षण और धरना प्रधान भारत में मोदी का हर तीर आज निशाने पड़ रहा है। धर्मेंद्र भैया जी ने स्तिफा दिया तो सुदूर देश में बैठा ध्रुव राठी गदागद हो उठा । किर्गिस्तान से बेहद उत्साहित होकर इंस्टाग्राम पर पहली तिमाही में विकास दर 7.8 होने की घोषणा की। अपनी ओर से उन्होंने खुशी की लहर पूरे भारत में दौड़ा दी मगर वह लौटकर मोदी को ही डुबाने लगी। और तो और इनके काल में वित्त सचिव रहे सुभाष चन्द गर्ग ने इनके इस दावे को मुस्कुराते हुए इतना पंक्चर कर दिया कि फिर इनके अपनों से भी इसमें हवा नहीं भरी गई। गर्ग ने कहा कि महाराज सच तो यह है कि यह दर मात्र 2.6 है और मुद्रास्फीति को देखते हुए तो यह शून्य प्रतिशत है। मोदी जी अब आप गुजराती आंकड़ों का खेल न खेलें। आप इधर के आंकड़े उधर एडजस्ट न करें कृपया। इसके बाद मोदी जी की विकास दर की जय- जय की बजाय फू- फू होने लगी।

लोग कहने लगे कि मोदी जी नाराज फूफा हो गए। उधर विपक्ष ने कहा अडानी -अंबानी की विकास दर को देश की विकास दर न मानें। तभी किसी ने कांग्रेस की चुटकी लेते हुए कहा कि राहुल की मानसिक विकास दर तो इससे भी और ऊंची है तब से राष्ट्रीय माता जी और उनकी मित्रमंडली की बोलती बंद सी है। बड़ी हुई टोटकेबाजी अब कांग्रेस का विकास धूल फाक रही है।दिमागी नक्सल के बाद एक और शब्द आजकल बड़ा वायरल है ङ्क नाराज फूफा ।

अब क्या कहें , शब्द यह भी मोदी ने ही दिया है । वैसे भारत में गाँव गाँव प्रचलित है , की विवाह के समय कोई ना कोई फूफा नाराज हो जाते है तो यह बड़ा पुराना शब्द है । भारत में गाँव शहर फूफाओं को लेकर कई कहानियां हैं । दरअसल फूफा पिता का बहनोई होता है और बेटी का पति बेटे का दामाद । बस नाराज फूफाओं की कहानी यहीं जन्म लेती है ।

राजनीति हो या पारिवारिक फंक्शन, नाराज फूफा सभी जगह हैं । आज से नहीं , बड़े पुराने जमाने से हैं । हर घर के अपने किस्से हैं । ब्याह शादियों में फूफा की नाराजगी के लाखों किस्से हैं , जिन पर हम बात नहीं कर रहे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकास कार्यों पर हर बात में सवाल उठाने वालों को 'नाराज़ फूफा' कहा था। अब सोशल मीडिया पर उनके इस तंज के संदर्भ में कुछ चर्चित उदाहरण भी शेयर किए जा रहे हैं। पहले नाराज फूफा कॉकरोचो के ध्रुव राठी है जिनके अनुसार हर किसी के पास कार नहीं है, तो हमें हाईवे की क्या ज़रूरत है ? दूसरे नाराज फूफा जेएनयू लेफ्ट विंग के कन्हैया कुमार जिनके अनुसार पानी चुराने के लिए सड़कें बनाई जा रही हैं।

तीसरे नाराज फूफा दलितों के फर्जी हितैषी रवीश कुमार जिनके अनुसार मेरठ से प्रयागराज 6 घंटे में ? गंगा एक्सप्रेसवे से 5 घंटे बचते हैं। जल्दी पहुंचकर हम क्या करेंगे ? चौथे नाराज फूफा लेफ्ट के रघुराम राजन जिनके अनुसार भारत सुपरपावर क्यों बनना चाहता है ? पांचवे और आखिरी नाराज फूफा कांग्रेस के पी चिदंबरम जिन्हें ब्रिक्स से नाराजगी है। यह जो लोग है यह कौन हैं किस समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं क्या इन लोगों को किसी ने चुन कर भेजा है 7 तो यह कैसे कह सकते हैं कि हमे यह सुविधा चाहिए या नहीं 140 करोड़ के देश मे चंद लोग नहीं तय कर सकते 7 हमे क्या चाहिए क्या नहीं चाहिए। लेकिन पीएम मोदी ने नाम बेशक नाराज फूफा का लिया हो लेकिन उनका मतलब घरेलू फूफाओं से नहीं , राजनीति के उन फूफाओं से है जो हर समय नाराज रहते हैं , मुँह फुलाए रहते हैं । यह नाराज फूफा टर्म जिनके लिए इस्तेमाल की गई है वे राजनीति में बिखरे पड़े हैं । हाल ही की बात है जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला , फारूख अब्दुल्ला , राज्यपाल आदि की मौजूदगी में वन्देमातरम गाया गया ।

कश्मीर फिल्म फेस्टिवल में वन्दे मातरम पूरे 6 छन्दों वाला गाया गया तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके बॉस नाराज फूफा हो उठे । बताइए दिल्ली में बैठे कांग्रेसीयों के इंटरनेशनल फूफा उमर पर नाराज हो गए । चूंकि सरकार में शामिल हैं तो कहा कि 2 छंदों वाला गाते । अब उमर तो आखिर ठहरे उमर ! बोले भैया ! मुख्यमंत्री मैं हूँ या तुम ? जो संसद ने पास किया है वही गाया जाएगा कश्मीर में । यह कोई कांग्रेस मुख्यालय नहीं एक स्टेट है । बेचारे दिल्ली वाले फूफा पैंतरे बदलते रह गए । अगर भाजपा की बात माने तो नाराज फूफा ढेर सारे हैं । मजेदार बात यह है कि हर राज्य में हैं । एक और खास बात है ! फूफाओं के जलवे गजब हैं । अधिकांश राजनैतिक फूफा दिमागी नक्सल भी हैं और राहुल गाँधी इन नाराज फूफाओ के लीडर है । तो जलवे देखिए साहब ! 12 साल में एक भी दिन नहीं आया जिस दिन ये नाराज न होते हों । हां , 2014 से पहले 10 साल तक ये सब फूफा बड़े खुश थे । वैसे राजनीति के नाराज फूफा देश की उपलब्धियों से जलते हैं । उन्हें राम का तो नाम ही पसंद नहीं । अब उन्हें जेन जी से पीएम का बात करना सख्त नापसंद है । मथुरा काशी का नाम सुनते ही उनका दम घुटने लगता है । बेचारे नाराज फूफा ! कुछ न कर पाने के गम में बस मचल रहे हैं , उबल रहे हैं ।

इधर पंद्रह साल की जिस आंदोलनकारी लड़की रुचिका के माता-पिता पर दबाव डालकर तथा बलात्कार और हत्या की धमकियां दिलाकर उससे माफी मंगवाई थी, उसने शेरनी की तरह दहाड़ना शुरू कर दिया है। उसने साफ़ कहा है कि मोदी जी आप कायर हो।अब मैं पीछे हटनेवाली नहीं हूं।मेरे पास अब खोने के लिये कुछ नहीं बचा है! उस बच्ची को डराने का दांव भी अंततः खाली गया। यहां भी टांय-टांय फिस्स हो गई।

इसके साथ ही मोदी जी ने एक बार फिर से यह कहा कि अभी आप एक साल तक विदेश यात्रा न करें और सोना भी न खरीदें तो लोगों ने पूछा कि माननीय जब विकास दर इतनी कठिनाइयों के बीच भी इतनी ऊंची - ऊंची छलांगें मारी रही है तो इस अपील की आवश्यकता क्यों?तब से उनकी सिट्टी और पिट्टी दोनों गुम है! न सिट्टी मिल रही है, न पिट्टी। उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद हल्द्वानी के दशहरा मैदान को यज्ञ- मंत्रादि से 'पवित्र' किया गया ,यह झूठ फैलाया गया क्यूंकि खड़गे जी दलित जो ठहरे और उत्तराखंड है देवभूमि ! वहां एक दलित जाए और एजेंडा ना फैलाये ! वह भी कांग्रेसी माहौल अपवित्र न करे, यह गाँधी परिवार सहन नहीं कर सकता!

कांग्रेस ने इस पवित्रीकरण की शिकायत की तो एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई मगर एक हिंदूवादी की ओर से राहुल गांधी के विरुद्ध हो गई क्योंकि उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में इस 'पवित्रीकरण ' का विरोध किया था। गुरुवार को सुना गया कि उत्तराखंड की पुलिस दिल्ली आ रही है- राहुल गांधी को गिरफ्तार करने मगर अंत में यह मामला भी डब्बे में हो गया क्यूंकि क़ानून आम जनता के लिए है । पुलिस वहीं की वहीं फ्रिज हो गई ! मोदी के मंत्री जे पी नड्डा ने काक्रोच जनता पार्टी के आंदोलन के दौरान उनके नेताओं को आश्वासन दिया था कि उन सभी आंदोलनकारियों के खिलाफ एफआईआर वापस की जाएगी, जिन पर आपराधिक मामले नहीं हैं। पुरानी अकड़ चूंकि अभी बाकी है, गई नहीं है तो चालीस दिन बीत जाने पर भी सरकार ने कुछ नहीं किया।सोचा कि इन्हें जो करना हो , करके देख लें।हम तो पहले भी अपने वायदों से मुकरते आए हैं, अब भी मुकरेंगे।तब काक्रोच जनता पार्टी की ओर से पांच सितंबर को फिर से आंदोलन की चेतावनी दी गई, तो इनकी नाड़ी खिसक गई।एकदम से रास्ते पर आ गए। सारी अकड़ धूल में मिल गई। सरकार तुरंत सुप्रीम कोर्ट गई एफआईआर वापस करवाने। इस तरह यह मामला भी टांय-टांय फिस्स हुआ !

राहुल गांधी इकतीसवें दिन एफ आई आर करवाने पार्लियामेंट थाने पहुंचे और धरना देकर बैठ गए कि जब तक पुलिस रिपोर्ट दर्ज नहीं होगी,हम यहीं रहेंगे।तो फिर से इनकी नाड़ी खिसकी। इन्हें अंदाज नहीं था कि राहुल गांधी इस मामले में इस तरह कूद पड़ेंगे। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने खूब सिर खपाया कि राहुल गांधी से हार मानें या न मानें।सात घंटे बाद एफ आई आर दर्ज करनी पड़ी। यहां भी टांय-टांय फिस्स हो गई। दावों के अनुसार एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी आशीष जोशी को दिल्ली पुलिस ने रास्ते से उठा लिया क्योंकि उन्होंने गृहमंत्री और गृह सचिव के बीच मतभेद की बात अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट में कही थी, जो सरकार की नजर में एक टाप सीक्रेट थी।उन्हें पकड़ कर दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा में ले जाया गया। परिजनों को कुछ नहीं बताया गया।उनसे नौ घंटे तक पूछताछ की गई, निकला कुछ नहीं। मजबूरन उन्हें छोड़ना पड़ा। उन्होंने अगले दिन फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ की नज्म 'हम देखेंगे ' पोस्ट करके अपने विदेशी एजेंट होने का एहसास फिर से दे दिया। इस मामले में पुलिस कि टांय-टांय फिस्स हो गई ! इधर एक सवर्ण निर्दोष स्वतंत्र भारद्वाज ने जंतर-मंतर आंदोलन में शामिल लड़की नीशू आजाद के पिता संजय कुमार को अनजाने में धक्का दें दिया था तो विक्टिम कार्ड खेल उन पर मार डालने के इरादे से आजाद का सिर फोड़ा ऐसा कहकर मामला दर्ज करा दिया। इसका टीवी पर गौरव गान भी किया गया कि विपक्ष जीत गया, अरे निर्दोष सवर्ण कभी हारता नहीं ! नरेन्द्र मोदी सेना में से अठावले से लेकर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान तक आरक्षण रिफार्म पर उल्टा पुल्टा बोले है और सवर्ण अब नाराज फूफा है। काक्रोच जनता पार्टी के संसद मार्ग पुलिस थाने पर प्रदर्शन के बाद पूरे सरकार को दबाए रखा है। दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई करने का भरोसा दिया मगर सुप्रीम कोर्ट को अराजकता पसंद है शायद इसलिए दिमागी नक्सलीयों पर एफआईआर दर्ज ना करने का निर्देश दें दिया।

उधर सौरव दास के नेपाल भागने के मंसूबों को विफल करते हुए कुछ ही घंटों के अंदर उसके बाप का नाम पूछकर उसे भी नाराज फूफा बना दिया गया। उस भगोड़े को दबोच लिया गया जो कॉकरोच आंदोलन में मुफ्त का खाना बाँट रहा था। अभिजीत दीपके के गुर्गो द्वारा गुंडागर्दी से सवर्ण आंदोलनकारियों को डराने का दांव भी खाली गया।

टांय-टांय फिस्स हो गया। इधर कॉकरोचो की इतनी बार इतनी तरह से और इतनी तेजी से टांय-टांय फिस्स हुई है कि जिधर भी देखो, इनकी टांय-टांय फिस्स ही दिखाई और सुनाई देती है। अब लोगों ने इनसे और इनके गुंडों से डरना बंद कर दिया है।जब लोगों ने देख लिया कि इनके पास देने के लिए धमकियां और पकड़ाने के लिए और भारत को विकसित बनाने के झुनझुने के अलावा कुछ नहीं है तो कोई क्यों इनसे डरे! किसी दिन आंदोलन के जरिए चुनाव जीतने का इनका ताश का महल भी इसी तरह ढह जाएगा, हवा हो जाएगा तो फिर बचेगा क्या? अंबानी और अडाणी? इस टाइप के प्राणी किसी के नहीं होते।जिधर बम, उधर हम इनकी बुनियादी आइडियोलॉजी है! इस आइडियोलॉजी पर ये फिर से सफलतापूर्वक चलने लगेंगे।दिशा ही तो बदलना है।इनकी जगह उनकी ही तो जय-जयकार करना है! इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। ये हवा के साथ बहनेवाले लोग हैं। ये सबसे जल्दी बदलते हैं। जिसे सिर पर बैठा रखा है, उसे नीचे फेंकने में ये ज़रा देरी नहीं करते। उसे कितनी ही चोट लग जाए,उसकी ओर देखते तक नहीं। आईसीयू में वह पड़ा हो तो उसे देखने भी नहीं जाते। उसका आदमी फोन करे तो उठाते नहीं! इधर आपने देखा होगा कि राहुल गाँधी बारह साल से कैसी 'बहकी- बहकी' बातें करने लगे है!

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

दवा कारोबारी की हत्या के मामले में अभियुक्त गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। दवा कारोबारी की हत्या के मामले में गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों से पूछताछ के दौरान मृतक की बहू की भूमिका सामने आई है। जांच में पता चला है कि घटना की साजिश लगभग 15-20 दिन पूर्व रची गई थी और बहू ने ही अभियुक्तों को घर व सोसाइटी में प्रवेश कराने में मदद की थी।

एक अभियुक्त विशाल गौतम मृतक की दुकान पर लगभग 12-13 वर्षों से काम कर चुका था, जिसके कारण उसका परिवार से पूर्व से परिचय था और वह घरेलू कार्यों के लिए भी घर आता-जाता था। पूछताछ में लगभग 6 लाख रुपये देकर हत्या कराने की बात सामने आई है। प्रारंभिक जांच में घर में लगे कैमरों के कारण व्यक्तिगत स्वतंत्रता प्रभावित होने को घटना के पीछे एक कारण बताया गया है। प्रकरण के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बाढ़ राहत शिविर में एक्सपायर्ड सिरप वितरण मामले पर सीएमओ का कड़ा रुख

» खबर भ्रामक, मिथ्या एवं तथ्यहीन - सीएमओ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. हरीदत्त नेमी ने बताया कि कतिपय समाचार पत्रों एवं न्यूज़ चैनलों द्वारा बाढ़ राहत शिविर में एक्सपायर्ड सिरप वितरित किए जाने तथा उसके सेवन से बच्चों के बीमार होने संबंधी भ्रामक एवं मिथ्या सूचना प्रसारित की जा रही है, जिससे आमजन में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधनू के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा 9 सितंबर को उपलब्ध कराई गई तथ्यात्मक आख्या एवं विभागीय अभिलेखों की जांच में प्रसारित सूचना की पुष्टि नहीं हुई है।

चिकित्सा अधीक्षक की आख्या के अनुसार 02 सितंबर 2026 को आयोजित बाढ़ राहत कैंप में सिरप का वितरण नहीं किया गया था विभागीय अभिलेखों के सत्यापन में पाया गया कि उक्त सिरप वर्ष 2025 में ड्रग वेयर हाउस, कानपुर नगर में प्राप्त हुआ था तथा मार्च 2025 तक इसकी आपूर्ति सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को कर दी गई थी। वर्तमान में किसी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर संबंधित बैच की दवा उपलब्ध नहीं है।

बाढ़ राहत के लिए बनाए गए स्टॉक रजिस्टर की जांच में भी उक्त सिरप की एक भी प्रविष्टि नहीं पाई गई प्रथम दृष्टया विभागीय जांच एवं उपलब्ध अभिलेखों में बाढ़ राहत शिविर में उक्त सिरप के वितरण की कोई पुष्टि अथवा तथ्यात्मक आधार नहीं मिला है मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. हरीदत्त नेमी ने स्पष्ट किया कि उपलब्ध विभागीय अभिलेखों एवं चिकित्सा अधीक्षक की आख्या के आधार पर बाढ़ राहत शिविर में एक्सपायर्ड सिरप वितरित किए जाने संबंधी प्रसारित सूचना भ्रामक एवं तथ्यहीन है।

नर्स से दुष्कर्म मामले में अस्पताल संचालक और भांजे पर मुकदमा हुआ दर्ज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। घाटमपुर क्षेत्र में एक निजी अस्पताल की नर्स ने अस्पताल संचालक और उसके भांजे पर बंधक बनाकर दुष्कर्म करने, अश्लील वीडियो बनाने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता की तहरीर पर घाटमपुर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के मुताबिक, वह घाटमपुर स्थित श्री जी हॉस्पिटल में नर्स के रूप में कार्य करती है। आरोप है कि 16 अगस्त को अस्पताल संचालक सत्यम सैनी ने इमरजेंसी डिलीवरी के बहाने उसे फोन कर बुलाया और कार से जहानाबाद रोड स्थित एक होटल ले गया। वहां उसके साथ जबरन दुष्कर्म करने और आपत्तिजनक फोटो-वीडियो बनाने का आरोप है। विरोध करने पर उसे और उसके भाई हिमांशु को जान से मारने की धमकी देने की बात भी शिकायत में कही गई है।

पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद सत्यम सैनी और उसके भांजे ललित सैनी ने उसे अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में बंधक बनाकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। आरोप है कि वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी देकर उसे चुप रहने के लिए दबाव बनाया गया।

शिकायत के अनुसार, 31 अगस्त को ललित सैनी पीड़िता को दोबारा जहानाबाद रोड स्थित एक होटल ले गया, यहां भी उसके साथ जबरदस्ती किए जाने का आरोप है। पीड़िता के पति द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने कथित तौर पर उसे भी धमकी दी। घाटमपुर थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस जाँच जारी है।

डीजे/साउंड का किराया न देने का पीड़ित द्वारा वीडियो किया गया वायरल

» बीपीएस न्यूज

» जन्माष्टमी पर थाने में लगवाया गया था डीजे साउंड, रात दो बजे तक चला डीजे, नही दिया गया पैसा

» वीडियो वायरल होने के बाद उपनिरीक्षक लाइन हाजिर, जांच शुरू

कानपुर। नगर के चौबेपुर थाने में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में गोविंद गुप्ता का साउंड सिस्टम/डीजे लगाया गया था। कार्यक्रम के बाद किराए का भुगतान न करने पर साउंड सिस्टम मालिक द्वारा आरोप लगाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। इस वीडियो में उपनिरीक्षक पंकज मिश्रा पर डीजे लगवाने और भुगतान न करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

पीड़ित गोविंद गुप्ता ने बताया की जन्माष्टमी के कारण उसे दिन हर तरफ साउंड सिस्टम की मांग अधिक थी थाने में इंस्पेक्टर साहब ने बुलवाया और साउंड सिस्टम लगवाने की बात कही। उनसे कहा कि वैसे तो ?5000 लगते हैं आप 3000 ही दे देना तो दरोगा जी ने कहा पहले साउंड लगाओ पैसा बाद में ले लेना । थाने में रात 2:00 बजे तक साउंड बजा उसके बाद जब पैसा मांगा गया तो दरोगा जी ने दूसरे दिन आने को कहकर टाल दिया , जब दूसरे दिन पैसा लेने के लिए थाने पहुंचा तो वहां उसे एक घंटा बैठाए रखा बाद में बिना पैसे दिए उसे भगा दिया और कहां की ज्यादा करोगे तो अभी साउंड सिस्टम से जमा करवा लिया जाएगा।मामले का वीडियो सामने आते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। उच्च पुलिस अधिकारियों ने इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित उपनिरीक्षक पंकज मिश्रा को तुरंत लाइन हाजिर कर दिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।सहायक पुलिस आयुक्त (ष्टक्क) बिल्हौर अंकित कुमार ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों को ही अंतिम सच नहीं माना जा रहा है। जांच के दौरान संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जाएंगे और भुगतान से जुड़े दस्तावेजों व सबूतों की समीक्षा की जाएगी। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में डेंगू रोगी मिलने पर बुखार सर्वेक्षण, जांच एवं सोर्स रिडक्शन अभियान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर के मौखिक निर्देशों के अनुपालन में नोडल अधिकारी (वीबीडी) डॉ. राजेश्वर सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक प्रशान्त कुमार वर्मा, लैब टेक्नीशियन गणेश शंखवार, सहयोगी संस्था पाथ के रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शिवकांत तथा जनपदीय टीम द्वारा जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के यूजी बालिका छात्रावास में डेंगू रोगी पाए जाने के सापेक्ष की जा रही निरोधात्मक गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बुखार सर्वेक्षण एवं जांच, सोर्स रिडक्शन, लार्वीसाइडल स्प्रे सहित अन्य आवश्यक गतिविधियां कराई गईं तथा छात्रावास में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान कर डेंगू एवं अन्य संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के दो ब्लॉक एवं बाल छात्रावास के पांच ब्लॉक में मलेरिया निरीक्षक प्रभा सोनकर की टीम द्वारा सोर्स रिडक्शन, लार्वीसाइडल स्प्रे, बुखार सर्वेक्षण, इंडोर स्पेस स्प्रे, आवश्यक जांच तथा जनजागरूकता की गतिविधियां की गईं। यूजी बालिका छात्रावास में मच्छरों के प्रजनन स्थलों एवं उनसे होने वाली बीमारियों की रोकथाम के संबंध में तीन नोटिस जारी कर संबंधित लोगों को स्वास्थ्य शिक्षा एवं आवश्यक बचाव उपायों की जानकारी दी गई।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर एवं फॉगिंग कराने के निर्देश

मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशों के क्रम में मेहरबान सिंह का पुरवा, विकासखंड बिधनू तथा तात्या टोपे नगर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. नीरज सचान द्वारा प्रतिदिन आयोजित किए जा रहे स्वास्थ्य शिविर एवं सोर्स रिडक्शन गतिविधियों का भौतिक निरीक्षण किया गया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बनाए गए आश्रय स्थलों पर रह रहे लोगों को संचारी रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नगर निगम से समन्वय स्थापित कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विशेष रूप से सायंकालीन फॉगिंग कराने के लिए निर्देशित किया गया।

जनपद के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में एंटमोलॉजिकल सर्वेक्षण, सोर्स रिडक्शन, लार्वानाशक छिड़काव एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। लोगों से अपील की गई कि घरों एवं आसपास पानी एकत्र न होने दें तथा लार्वा पनपने वाले स्थानों की नियमित रूप से सफाई करें। जलभराव वाले स्थानों पर विभागीय मानकों के अनुसार आवश्यक लार्वानाशक उपाय किए जाने तथा मच्छरों से बचाव के लिए खुली त्वचा पर प्राकृतिक मॉस्किटो रिपेलेंट क्रीम का प्रयोग करने और शरीर के अधिकांश हिस्से को कपड़ों से ढककर रखने की सलाह दी गई।

जनपद में किए गए सर्वेक्षण के दौरान मोती मोहाल, हरबंश मोहाल, बीबीपुर, आर्य समाज मंदिर, निराला नगर, सुन्नी का मैदान, बाबूपुरवा, दहेली सुजानपुर गांव (रुद्र विहार), रतनपुर, दर्शन पुरवा, बिहारी मोहल्ला, रविदासपुरम, बसंत विहार नौबस्ता तथा जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज क्षेत्र में कुल 928 घरों का सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण के दौरान 16 घरों में लार्वा धनात्मक पाए गए तथा 4,848 पात्रों की जांच की गई। लार्वा पाए गए सभी 16 घरों में लार्वा नष्ट कराया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, इंडोर स्पेस स्प्रे तथा नालियों में लार्वीसाइडल स्प्रे भी कराया गया। 07 सितम्बर की सायंकाल बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बनाए गए आश्रय स्थलों के आसपास फॉगिंग कराई गई।

संचारी रोगों के संबंध में सूचना देने अथवा जानकारी प्राप्त करने के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित कंट्रोल रूम में हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 संचालित हैं। हेल्पलाइन पर प्राप्त सूचना के आधार पर संबंधित क्षेत्र में टीम द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

स्वास्थ्य शिविरों के अंतर्गत नौगवां गौतम में 52 सामान्य मरीजों को देखा गया, जिनमें 20 मरीजों की मलेरिया एवं डेंगू की जांच की गई तथा सात नमूने डेंगू की जांच हेतु एसएसएच भेजे गए। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में पांच सामान्य मरीजों को देखा गया और पांच मरीजों की मलेरिया एवं डेंगू की जांच की गई तथा पांच नमूने डेंगू जांच हेतु एसएसएच भेजे गए। मेहरबान सिंह का पुरवा में 64 सामान्य मरीजों का परीक्षण किया गया तथा आठ मरीजों की मलेरिया एवं डेंगू की जांच की गई। शिविरों में मलेरिया के कोई मरीज धनात्मक नहीं पाए गए।जनमानस से अपील की गई कि बुखार आने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं तथा घर एवं आसपास मच्छरों के प्रजनन की स्थिति उत्पन्न न होने दें। संचारी रोगों से बचाव के लिए स्वच्छता एवं सावधानी को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

संचारी रोगों के संबंध में सूचना देने अथवा आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए नगर निगम स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2526004 एवं 0512-2526005 पर संपर्क किया जा सकता है। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संबंधित क्षेत्र में टीम द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

20 दिन बाद मलबे से दिखा देवी मां का स्वरूप, क्षेत्रीय लोगों ने किए दर्शन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के इटावा बाजार में 18 अगस्त को एक मकान ढहने के करीब 20 दिन बाद मलबे के बीच देवी मां की मूर्ति का स्वरूप दिखाई दिया। बताया जा रहा है कि मकान गिरने के बावजूद मूर्ति को किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ।स्थानीय लोगों के मुताबिक, मकान ढहने से पहले मकान मालिक को देवी मां का सपना आया था। इसके बाद उन्हें किसी अनहोनी का आभास हुआ, जिसके चलते मकान में रह रहे करीब 15 लोगों ने समय रहते घर खाली कर दिया। कुछ ही समय बाद मकान भरभराकर गिर गया।मलबा हटाने के दौरान करीब 6 फीट लंबी देवी मां की मूर्ति दिखाई दी। मूर्ति सुरक्षित मिलने की खबर क्षेत्र में फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और लोगों ने देवी मां के स्वरूप के दर्शन किए। मकान मालिक बऊआ मिश्रा ने बताया कि मलबा पूरी तरह हटने के बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी और इसके बाद देवी मां की मूर्ति को वहां से सम्मानपूर्वक हटाया जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र में यह मामला आस्था और चर्चा का विषय बना हुआ है।

स्वरूप नगर में घर मे लगी आग

कानपुर। मिनी कंट्रोल से सूचना प्राप्त हुई कि स्वरूप नगर गैस्ट्रो लीवर रतन हॉस्पिटल थाना स्वरूप नगर के पास घर में आग लगी हुई और कई लोग फंसे हुए हैं,घटना की संवेदनशीलता के दृष्टिगत मुख्य अग्निशमन अधिकारी कानपुर नगर के निर्देशन में तत्काल फायर स्टेशन स्वरूप नगर घटना स्थल पर भेजा गया एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी भी घटना स्थल के लिए निकल गए।।आग की विकरालता देखते हुए फायर स्टेशन मीरपुर व फजलगंज से अतिरिक्त फायर टेंडर भेजे गए।।पूरे घर में आग लगी हुई थी तथा कई लोगों के साथ में 2 कुत्ते भी फंसे हुए थे,, पहुंचते ही अग्निशमन व रेस्क्यू कार्य प्रारम्भ किया गया, सामने से आग लगने के कारण पूरे घर में जहरीला धुआं होने के कारण प्रवेश मार्ग संभव नहीं था,जाने की जगह न होने के कारण बाहर लैडर लगाकर 3 लोगों को 2 ठुस्र फ्लोर से सुरक्षित निकद्यलकर हॉस्पिटल भिजवाया गया।आग में फंसे लोगों तथा दो कुत्ते को दूसरे छत पे सुरक्षित पहुंचाकर बाहर किया गया, सभी लोगों को सुरक्षित कर उनके जीवन को बचाया गया।

कार बनी आग का गोला, सवारियों ने कार से कूद कर बचाई अपनी जान

कानपुर। मंगलवार की देर रात एक हादसे के दौरान कानपुर, शुक्लागंज पुल पर एक चलती कार में अचानक आग लग गयी। धुंआ उठता देख कार चालक ने कार को साइड में लगाया। इससे पहले कोई कुछ समझ पाता कार में आग तेजी से फैल गयी। अचानक आग को देखकर किसी प्रकार कार सवार चार लोगों ने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। जब कोई कुछ कर पाता कार आग के गोले में बदल गयी। सूचना पर पहुंची गंगाघाट व कैंट थाना पुलिस ने यातायात रूकवा दिया। इसी बीच सूचना पाकर दमकल टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाना शुरू किया।

जानकारी के अनुसार कार सवार लोगों में एक दीपू ने बताया कि वह चार लोग कारण में सवार होकर कानपुर की ओर आ रहे थे कि अचानक कार से धुंआ निकलने लगा। कार किनारे लगाई गयी, लेकिन अचानक आग बढने लगी, जिससे सभी सवारी सुरक्षित सडक के दूसरी ओर चले गये। इसके बाद आग ने भीषण रूख घर कार को अपनी चपेट में ले लिया। कारण में आग लगने के कारण गंगा पुल पर दोनो ओर वाहन रूक गये। सूचना पाकर गंगाघाट थाना तथा कैंट थाने के पुलिस भी मौके पर पहुंच गयी और लोगों को घटना स्थल से दूर कराया।

इसी बीच मौके पर पहुंची दमकल टीम द्वारा कार की आग बुझाने का काम शुरू किया गया। काफी देर की मशक्कत के बाद कार की आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन कार अधिकतर जलकर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इसके बाद पुलिस द्वारा यातायात समान्य कराते हुए कानपुर हो मौके पर से हटवाने का कार्य किया गया।

पुलिस पाठशाला एवं पब्लिक चौपाल के माध्यम से जन-जागरूकता कार्यक्रम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 37वीं वाहिनी पीएसी कानपुर पुलिस महानिदेशक पीएसी के पत्र के सन्दर्भ में मानवीय कल्याणकारी कार्यों जैसे ग्रामों का विकास में पीएसी बल की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 09.09.2026 को सेनानायक बी0बी0 चौरसिया की उपस्थिति में ÷ग्राम पंचायत सरसौल कानपुर नगर÷ में पुलिस पाठशाला एवं पब्लिक चौपाल का आयोजन किया गया।

चौपाल में ग्रामवासियों तथा स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा उपस्थित लोगों को साइबर अपराध एवं साइबर ठगी से बचाव, महिला एवं बालिका संबंधी अपराधों की रोकथाम, महिलाओं की सुरक्षा एवं उनके अधिकार, प्राकृतिक आपदाओं से बचाव तथा अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा एवं जन-जागरूकता विषयों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर सेनानायक महोदय द्वारा कहा गया कि पुलिस एवं जनता के मध्य बेहतर समन्वय, संवाद एवं विश्वास स्थापित करना पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। ग्रामों के विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों में पीएसी बल की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विद्यालयों, महाविद्यालयों, चिकित्सालयों एवं अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जन-जागरूकता बढ़ाना, महिला एवं बालिका सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना, साइबर अपराधों से बचाव हेतु सतर्क करना, सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा पुलिस एवं जनता के मध्य विश्वास एवं सहयोग की भावना को और मजबूत करना रहा। उक्त कार्यक्रम में उपसेनानायक श्रीमती तनु उपाध्याय सहायक सेनानायक श्री सुधाकर मिश्र शिविरपाल श्री चंद्रेश्वर सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जरीब चौकी के जाम से मिलेगी राहत, 320 करोड़ से आकार ले रही फ्लाईओवर परियोजना

» चार लेन रेल ऊपरगामी सेतु के साथ जीटी रोड पर फोर लेन और घंटाघर रोड पर बनेगा टू लेन फ्लाईओवर

» डीएम ने सीवर लाइन शिफ्टिंग का लिया जायजा, दिसंबर के अंत तक यूटिलिटी शिफ्टिंग पूरी करने के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को जरीब चौकी के निकट संपार संख्या 02 स्पेशल पर चार लेन रेल ऊपरगामी सेतु, जीटी रोड पर चार लेन फ्लाईओवर तथा घंटाघर रोड पर दो लेन फ्लाईओवर के निर्माण की करीब 320 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण परियोजना की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने मौके पर चल रहे सीवर लाइन शिफ्टिंग कार्य का भी जायजा लिया और दिसंबर के अंत तक यूटिलिटी शिफ्टिंग का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।शहर के व्यस्ततम यातायात क्षेत्रों में शामिल जरीब चौकी पर ट्रैफिक के दबाव को कम करने की दृष्टि से यह परियोजना महत्वपूर्ण है। परियोजना के अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग पर चार लेन रेल ऊपरगामी सेतु के साथ जीटी रोड पर चार लेन तथा घंटाघर रोड की ओर दो लेन फ्लाईओवर का निर्माण किया जाना है। परियोजना पूरी होने के बाद जरीब चौकी चौराहे पर यातायात का दबाव कम होने के साथ आवागमन सुगम होगा।वर्तमान में जरीब चौकी चौराहे पर जल निगम (नगरीय) द्वारा सीवर लाइन शिफ्टिंग का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत कालपी रोड पर ममता साड़ी की दुकान से जरीब चौकी तक कुल 591 मीटर लंबी सीवर पाइपलाइन बिछाई जा रही है।

इसके अतिरिक्त जरीब चौकी चौराहे से रामादेवी की ओर भाटिया मोटर्स तक 442 मीटर, घंटाघर की ओर वारसी फर्नीचर से जरीब चौकी चौराहे तक 520 मीटर तथा जीटी रोड पर ट्रेंड्स शोरूम से जरीब चौकी चौराहे तक 523 मीटर सीवर लाइन की शिफ्टिंग की जानी है।

जिलाधिकारी ने सीवर लाइन शिफ्टिंग की प्रगति की जानकारी लेते हुए जल निगम (नगरीय) सहित संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि दिसंबर के अंत तक यूटिलिटी शिफ्टिंग का कार्य पूरा कर लिया जाए, ताकि इसके बाद राज्य सेतु निगम द्वारा फ्लाईओवर एवं रेल ऊपरगामी सेतु के मुख्य निर्माण कार्य को गति दी जा सके।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जरीब चौकी शहर के सर्वाधिक यातायात दबाव वाले स्थानों में से एक है और यह परियोजना यहां की यातायात व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। परियोजना के पूर्ण होने से जरीब चौकी पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को जाम से बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्धारित समयसीमा के अनुसार कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रिंटर की सहायता फर्जी नोट बनाने वाले गिरोह का पुलिस ने किया खुलासा, 3 अभियुक्त गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अपर पुलिस आयुक्त (मुख्यालय/अपराध) संकल्प शर्मा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर स्व्हत/क्राइम ब्रांच एवं थाना रेलबाजार पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए रामलीला ग्राउंड के पास से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से लगभग 2 लाख की फेक करेंसी बरामद हुई है, जिसमें 500 व अन्य नोट शामिल हैं।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि अभियुक्त पिछले लगभग 3-4 माह से फेक करेंसी को चलाने का काम कर रहे थे। इनके द्वारा कानपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में छोटे मूल्य के नोटों को छोटी-छोटी रकम के रूप में चलाया जाता था। गिरफ्तार अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। तीनों के विरुद्ध लगभग 15 मुकदमे पूर्व से पंजीकृत हैं, जिनमें मुख्यतः चोरी, जेबकतरी एवं अन्य आपराधिक मामले शामिल हैं।

पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा प्रिंटर की सहायता से 500, 100 एवं 50 के फर्जी नोट तैयार कर उन्हें चलाने की बात स्वीकार की गई। पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों के कब्जे से एक प्रिंटर एवं कूट रचित फर्जी नोट बरामद किए गए हैं।

पूछताछ में इनके कुछ सहयोगियों के नाम भी सामने आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। प्रकरण में विस्तृत पूछताछ एवं विवेचनात्मक कार्यवाही जारी है तथा सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

यात्रियों के लिए शुरू हुई सेंट्रल से रैपिडों सवारी की व्यवस्था

» रेलवे के साथ मेमर्स रैपिन ट्रासंपोदेंशन प्राइवेट लिमिटेड का तीन वर्ष के लिए हुआ करार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर रेलवे स्टेशन पर काफी समय से यात्रियों के लिए सवारी का साधन सबसे बडी समस्या बनी हुई थी। सेंट्रल से बाहर जाने वाले यात्रियों को आंटो, ईरिक्शा आदि सवारियों का सहारा लेना पडता था, जिससे उनकी जेबें ज्यादा ढीली हो जाती थी। ईरिक्शा और ऑटो चालकों की मनमानी के कारण यात्रियों को ज्यादा पैसा भी देना पडता था साथ ही सेंट्रल के बाहर आने तक यात्रियों को पैदल चलना पडता था। इसके साथ ही शहर की तरफ स्टेशन के बाहर ई रिक्शा तथा ऑटो की अराजकता के कारण चलना तक मुहाल हो गया था, लेकिन अब यात्रियों को इन समस्याओं से निजाद मिल चुकी है।

रेलवे तथा रैपिडों के बीच में तीन वर्ष के लिए करार हुआ है, जिसके चलते सेंट्रल स्टेशन घंटाघर साइड से आसानी से रैपिडो की सवारी उपलब्ध हो चुकी है। इसके साथ ही यह सेवा गोविन्द नगर स्टेशन पर शुरू कर दी गयी है। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि यात्रियों की परेशानियों को देखते हुए काफी समय से योजना बनाई जा रही थी। अब रैपिडो के साथ रेलवे प्रशासन का तीन वर्षो का करार हो चुका है। सेवाएं भी शुरू हो चुकी है। यात्रियों को सेंट्रल के बाहर से आसानी से रैपिडों की सवारी उपलब्ध है, इससे उनका समय और पैसा दोनो ही बचेगा।

उन्होने बताया कि इससे रेलवे को लगभग साढे 6 लाख रूपये का प्रतिवर्ष राजस्व भी प्राप्त हो सकता है।

वहीं इस सुविधा के बाद कुछ यात्रियों द्वारा बताया गया कि यह अच्छी योजना है और जल्द ही इसका उपयोग हर यात्री करेगा, जिससे ईरिक्शा और ऑटो चालकों की मनमानी रूकेगी। इसके साथ ही उन यात्रियों को विशेष लाभ होगा जो बाहरी राज्यो व जिलों से कानपुर आते है। बताया गया कि इसके लिए घंटाघर साइड पर रैपिडों बुकिंग के लिए दो कियोस्क बनाये गये है। इसी प्रकार गोविंदपुरी स्टेशन पर एक कियोस्क बनाया गया है, जिसके माध्यम से यात्री सीधे वाहनों की बुकिंग कर सकते है।

72 वर्षीय बुजुर्ग ने थिनर डालकर स्वयं को किया आग के हवाले

» थाना चकेरी के सावित्री नगर की घटना, पड़ोसियों ने किसी तरह बुझाई आग, आधा घंटा तड़पते रहे बुजुर्ग

» सिंचाई विभाग में चतुर्थ श्रेणी के पद से सेवानिवृत्त हो चुके थे

कानपुर। थान क्षेत्र चकेरी के अंतर्गत गुरूवार की सुबह एक 72 वर्षीय बुजुर्ग ने अपनी छत पर ही थिनर डालकर स्वयं को आग के हवाले कर दिया। आग लगने के बाद उनकी चीख सुनकर आसपास के पडोसी छत फांद कर उन्हे बचाने के लिए आये। जब तक पानी का इंतजाम कर आग को बुझाया गया, बुजुर्ग पूरी तरह जल चुके थे। घटना के बाद बुजुर्ग लगभग आधे घंटे तक तडपते रहे। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस बुलवाकर उन्हे काशीराम अस्पताल भेजा जहां डाक्टरो ने उन्हे मृत घोषित कर दिया।

अगले माह संशोधित रिटर्न दाखिल करने का मिलेगा मौका

» बीपीएस न्यूज

» विलंब शुल्क के साथ अभी भी जमा किये जा रहे आइटीआर

» पांच लाख आय तक एक हजार व इससे ऊपर की आय पर लग रहा पांच हजार का विलबं शुल्क

कानपुर। यदि किसी आयकरदाता की कोई आय दूट गयी है, कैपिटल गेन में किसी प्रकार की गलती हो गयी है या टीडीएस क्रेडिट का सही मिलान आदि नही हुआ है तो अब उन उन कर दाताओं के पास एक सितंबर के बाद संशोधित रिटर्न दाखिल करने का भी मौका है। इससे पहले आयकर जमा करने की अंतिम तिथि बीतने के बाद भी लेट फीस के साथ आयकर जमा किए जा रहे है।

बतादें कि कंपनियों व फर्म के आयकर विवरण को जमा करने की अंतिम तिथी 31 अगस्त थी जो बीत चुकी है, लेकिन इसके बाद भी सितंबर माह में भी आयकरदाता अपना आयकर जमा कर रहे है। इसके लिए उन्हे आय के हिसाब से विलंब शुल्क देना पड रहा है। इस बारे में बताया गया कि आयकर जमा करने की अंतिम तिथी 31 अगस्त थी लेकिन जो लोग निर्धारित समय पर आयकर जमा नही कर सके थे उनके लिए एक और रास्ता खोल दिया गया था, जिसके अंतर्गतर वह

सितम्बर माह में भी विलंब शुल्क के साथ अपना आयकर जमा कर सकते है। बताया गया कि पांच लाख की आय तय सीमा तक जहां विलंब शुल्क एक हजार है तो वहीं पांच लाख के ऊपर की आय पर पांच हजार विलंब शुल्क जमा की जा रही है। बताया गया कि सितंबर महीने के बाद यदि आयकर जमा करने के बाद कोई त्रुटि शेष रह जाती है तो इसके लिए अगले माह अक्टूबर में संशोधित रिटर्न का भी अवसर दिया जा रहा है।

वरीपाल गांव में छात्र ने अपने ही घर पर लगाई फांसी

» पुलिस तथा फोरेसिंक टीम मौके पर पहुंची, छात्र का जब्त किया मोबाइल, जांच शुरू

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सजेती थाना क्षेत्र के अन्तर्गत वरीपाल गांव में कल की बीती देर रात एक 12वीं कक्षा के छात्र ने अपने ही घर के कमरे में दुपट्टे से फांसी लगा ली।

घटना की जानकारी तब हुई, जब युवक का चचेरा भाई उसके कमरे में पहुंचा। युवक को फांसी लगाये देख उसके मुंह से चीख निकल गयी।

कमरे में पहुंचे परिजनों में चीख-पुकार मच गयी। वहीं सूचना पर मौके पर फोरेसिंक टीम तथा पुलिस भी पहुंच गयी।

जानकारी के अनुसार सजेती थाना के वरीपाल गांव में मंगलवार की देर रात 18 वर्षीय 12वीं कक्षा में पढने वाले छात्र प्रखर पाण्डेय ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के पिता संजय पाण्डेय ने बताया कि प्रखर उनका इकलौता पुत्र है।

बताया कि परिवार में पत्नि राधा व बेटी श्रद्धा है। उन्होने बताया कि वह स्वरूप नगर अपनी पत्नी के साथ दवा लेने गए हुए थे और उन्होने जब अपने पुत्र प्रखर को कॉल की तो कई बार के बाद भी उसका फोन नही उठा। इसके बाद पास में ही रहने वाले भाई के लडके से कहा।

चचेरा भाई वीरेन्द्र, प्रखर के घर पहुंचा और जैसे ही उसके कमरे में पहुंचा कि उसकी चीख निकल गयी। उसने प्रखर को दुपटटे के सहारे पखें से लटकता देखा। वीरेन्द्र की चीख सुन पडोसी एकत्र हो गये। तत्काल 112 पर पुलिस को सूचना दी गयी। मौके पर पुलिस के साथ ही फोरेंसिक टीम भी पहुंच गयी।

पहले मृतक का मोबाइल लिया गया, जिसमें कई मैसेज डिलीट मिले। पुलिस द्वारा छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया वहीं आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट अंदाजा नही लगाया जा सका।सजेती थाना प्रभारी अनुज भारती ने बताया कि प्रखर नाम के छात्र ने आत्महत्या की है। कारण अभी स्पष्ट नही हो सके है, लेकिन मामला प्रेम प्रसंग से भी जोडा जा रहा है। फोरेसिंक टीम द्वारा सेंपल लिए गये है। जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्यवाई की जायेगी।

सितंबर के अंत तक नगर क्षेत्र की सभी सड़कें हों दुरुस्त, मंडलायुक्त ने दिए निर्देश

नगर निगम की 38 सड़कों की मरम्मत एक सप्ताह में पूरी करने के निर्देश, सभी सड़कों पर पैचवर्क कर बनाएं मोटरेबल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन की अध्यक्षता में आयुक्त शिविर कार्यालय में नगर क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, केडीए उपाध्यक्ष अंकुर कौशिक, लोक निर्माण विभाग की अधिशासी अभियंता सहित सड़क निर्माण एवं अनुरक्षण से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने नगर क्षेत्र की सभी सड़कों का विभागवार सर्वे कर उनकी वर्तमान स्थिति का आकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन सड़कों पर गड्ढे हैं अथवा बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाए। प्रत्येक दशा में सितंबर माह के अंत तक नगर क्षेत्र की सभी सड़कों को आवागमन के लिए सुगम बनाया जाए।

समीक्षा के दौरान नगर निगम द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में 38 सड़कों की मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। मंडलायुक्त ने इन सभी कार्यों को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर निगम के अधीन आने वाली अन्य सड़कों का भी सर्वे कर आवश्यकतानुसार पैचवर्क कराने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बारिश के कारण जहां पूर्ण निर्माण अथवा डामरीकरण तत्काल संभव नहीं है, वहां पैचवर्क एवं अन्य आवश्यक मरम्मत कर सड़क को हर हाल में मोटरेबल बनाया जाए, ताकि आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

लोक निर्माण विभाग द्वारा बताया गया कि नगर क्षेत्र में विभाग की 18 सड़कों को मरम्मत के लिए चिह्नित किया गया है। इनमें से 13 सड़कों को मोटरेबल बनाया जा चुका है, जबकि शेष पांच सड़कों पर कार्य प्रगति पर है। मंडलायुक्त ने शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के साथ ही जीटी रोड पर तत्काल पैचवर्क कराने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग खंड के अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि बारिश के कारण वर्तमान में डामरीकरण का कार्य नहीं कराया जा रहा है। इस पर मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि डामरीकरण के लिए मौसम अनुकूल होने की प्रतीक्षा में आवागमन प्रभावित नहीं होना चाहिए। तब तक आवश्यक पैचवर्क एवं मरम्मत कर संबंधित सड़कों को मोटरेबल रखा जाए।

मंडलायुक्त ने सड़क निर्माण एवं अनुरक्षण से जुड़े सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अपने-अपने स्वामित्व वाली सड़कों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें। कहीं भी गड्ढे अथवा क्षतिग्रस्त सड़क मिलने पर तत्काल मरम्मत कराई जाए। उन्होंने कहा कि सितंबर के अंत तक नगर क्षेत्र की सड़कों की स्थिति में स्पष्ट सुधार दिखाई देना चाहिए।

मंडलायुक्त ने चेतावनी दी कि जो विभाग अपने अधीन सड़कों को दुरुस्त एवं आवागमन योग्य रखने में लापरवाही बरतेंगे, उनके उत्तरदायी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी तथा उनके विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी।

द कैफे पाई पर खाद्य विभाग का छापा: गंदगी मिलने पर कारोबार स्थगित, सॉस के सैंपल सील

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मोतीझील स्थित कारगिल पार्क के पास 'द कैफे पाई' (ञद्धद्ग ष्टड्डद्धद्ग क्कद्बद्ग) में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा किए गए औचक निरीक्षण के दौरान भारी अनियमितताएं और गंदगी उजागर हुई है। कैफे की रसोई की दयनीय हालत और खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से परिसर की साफ-सफाई होने तक खाद्य कारोबार को स्थगित (सस्पेंड) करा दिया है।

गंदगी और चिकनाई- किचन की फर्श, दीवारों और एग्जॉस्ट फैन पर धूल, तेल और चिकनाई की मोटी परत जमी पाई गई।

डीप फ्रीजर की बदहाली- डीप फ्रीजर के कोनों में सब्जियों के छिलके, सॉस, मेयोनीज और धूल की मोटी परत जमा थी।

पेस्ट कंट्रोल और रिकॉर्ड का अभाव- किचन परिसर में कई जगह चूहों के बिल मिले। चूहों, कीड़े-मकोड़ों और अन्य जीवों की रोकथाम के लिए किए जाने वाले पेस्ट कंट्रोल का कोई दस्तावेज या किचन सफाई का रिकॉर्ड टीम के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया।

कर्मियों का स्वास्थ्य और हाइजीन- खाद्य निर्माण में लगे शेफ और अन्य कर्मियों के स्वास्थ्य संबंधी प्रमाण पत्र तथा हाइजीन से जुड़े दस्तावेज गायब थे। इसके अलावा, काम कर रहे कर्मचारी बिना ग्लव्स और हेड कवर के भोजन बनाते पाए गए।

कार्रवाई के दौरान गुणवत्ता पर संदेह होने के कारण ग्रीन चिली सॉस एवं सॉस के नमूने संग्रहित कर जांच के लिए भेजे गए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक कैफे प्रबंधन स्वच्छता के सभी मानकों को पूरा नहीं कर लेता, तब तक कारोबार का संचालन पूर्णतः बंद रहेगा।

सहायक आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) संजय प्रताप सिंह ने बताया कि निरीक्षण के दौरान किचन की हाइजीन स्थिति अत्यधिक खराब पाई गई। पेस्ट कंट्रोल, साफ-सफाई तथा खाद्य निर्माण से जुड़े कर्मचारियों के स्वास्थ्य और हाइजीन संबंधी आवश्यक अभिलेख भी मौके पर उपलब्ध नहीं कराए गए। गुणवत्ता की जांच के लिए ग्रीन चिली सॉस और सॉस के नमूने लिए गए हैं। परिसर में समुचित साफ-सफाई और हाइजीन व्यवस्था सुनिश्चित होने तक खाद्य कारोबार बंद रहेगा। नमूनों की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों को मच्छरजनित एवं संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति किया गया जागरूक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर के मौखिक निर्देशों के अनुपालन में नोडल अधिकारी (वीबीडी) डॉ. राजेश्वर सिंह, सहयोगी संस्था क्क्ष॥ के रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शिवकांत एवं जनपदीय टीम ने ब्लॉक भीतरगांव के ग्राम लाउली में डेंगू के लगातार सामने आ रहे मामलों के दृष्टिगत बुखार सर्वेक्षण, जांच, सोर्स रिडक्शन एवं अन्य निरोधात्मक गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीणों को मच्छरजनित एवं संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। ग्राम लाउली में मलेरिया निरीक्षक मंजीत कुमार यादव की टीम द्वारा सोर्स रिडक्शन, लार्वीसाइडल स्प्रे, बुखार सर्वेक्षण, इंडोर स्पेस स्प्रे, आवश्यक जांच एवं जनजागरूकता की कार्रवाई की गई।

ग्राम किशुनपुर में मच्छरों से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए एक महिला को नोटिस जारी कर स्वास्थ्य शिक्षा दी गई। मेहरबान सिंह का पुरवा, ब्लॉक बिधनू तथा तात्या टोपे नगर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. नीरज सचान द्वारा लगाए जा रहे स्वास्थ्य शिविरों एवं सोर्स रिडक्शन कार्यों की जानकारी ली गई। आश्रय स्थलों में रह रहे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए। नगर निगम से समन्वय कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विशेष रूप से शाम के समय फॉगिंग कराने के निर्देश भी दिए गए। सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ओआरएस पैकेट एवं क्लोरीन टैबलेट का वितरण किया गया।

जनपद के रायपुरवा, जाजमऊ, चुन्नीगंज, स्वरूपनगर एवं भीतरगांव क्षेत्र से डेंगू तथा पतारा क्षेत्र से मलेरिया का एक मामला सामने आया, जिस पर आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई पूरी कराई गई। विभिन्न क्षेत्रों में एंटमोलॉजिकल सर्वेक्षण, सोर्स रिडक्शन, लार्वानाशक छिड़काव, इंडोर स्पेस स्प्रे एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। लोगों से घरों एवं आसपास पानी जमा न होने देने, जलभराव वाले स्थानों पर उचित रूप से लार्वानाशक उपाय कराने, मच्छररोधी क्रीम का प्रयोग करने तथा शरीर को अधिकांशतः कपड़ों से ढककर रखने की अपील की गई।

विभिन्न क्षेत्रों में कुल 990 घरों का सर्वेक्षण किया गया, जिनमें 25 घर लार्वा धनात्मक पाए गए तथा 37 घरों में लार्वा नष्ट कराया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, नालियों में लार्वीसाइडल स्प्रे तथा अन्य निरोधात्मक गतिविधियां भी कराई गईं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के आश्रय स्थलों के आसपास 9 सितंबर की शाम फॉगिंग कराई गई।

ब्रह्म नगर ब्लॉक बिठूर, लाउली ब्लॉक भीतरगांव, भोती खेड़ा एवं बिहारीगंज ब्लॉक कल्याणपुर तथा मेहरबान सिंह का पुरवा ब्लॉक बिधनू में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिनमें कुल 169 मरीजों को देखा गया और आवश्यक मलेरिया एवं डेंगू जांच की गई। डेंगू जांच के लिए 28 सैंपल एसएसएच लैब भेजे गए।

संचारी रोगों से संबंधित सूचना एवं जानकारी के लिए यूएचएम चिकित्सालय परेड स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 तथा नगर निगम कंट्रोल रूम के नंबर 0512-2526004 एवं 2526005 पर संपर्क किया जा सकता है।

हवा में फेल हुआ विमान का इंजन
40 यात्रियों में मची खलबली, दिल्ली में हुई इमरजेंसी लैंडिंग

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। प्रयागराज से नई दिल्ली आ रहे एलायंस एयर के विमान का एक इंजन शुक्रवार दोपहर हवा में फेल हो गया।
इसके चलते आईजीआई एयरपोर्ट पर विमान की आपात लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार क्रू समेत 40 लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।
सूत्रों के मुताबिक, एलायंस एयर की उड़ान संख्या 9आई-698 ने दोपहर प्रयागराज से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी।
उड़ान के दौरान मेरठ के आसपास पायलट को विमान के एक इंजन में तकनीकी दिक्कत महसूस हुई। इसके बाद पायलट ने स्थिति की जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को दी।
सूचना मिलते ही दिल्ली हवाईअड्डे पर आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट कर दिया गया। विमान के उतरने से पहले रनवे और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा एवं आपात सेवाओं की टीमें तैनात कर दी गईं। निर्धारित प्रक्रिया के तहत विमान की दोपहर करीब 2:15 बजे आपात लैंडिंग कराई गई।
विमान के सुरक्षित उतरने के बाद यात्रियों और चालक दल ने राहत की सांस ली।जानकारी के अनुसार, जिस विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आई, उसने शुक्रवार सुबह करीब 10:45 बजे बिलासपुर से प्रयागराज के लिए उड़ान भरी थी। विमान करीब 11:58 बजे प्रयागराज पहुंचा।
यहां कुछ देर रुकने के बाद दोपहर 12:33 बजे विमान ने नई दिल्ली के लिए उड़ान भरी।
दिल्ली पहुंचने से पहले मेरठ के आसपास विमान में तकनीकी समस्या सामने आई।
फिलहाल एलायंस एयर की ओर से घटना को लेकर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। विमान की तकनीकी जांच भी की जाएगी।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में बोले पीएम मोदी
भारत नेविगेशन की आजादी का करता है समर्थन

» बीपीएस न्यूज

ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत स्थिरता और विकास का स्रोत बना हुआ है। उन्होंने सुरक्षित समुद्री रास्तों, खुले सप्लाई रूट्स और नेविगेशन की आजादी पर जोर दिया। पीएम ने मेक इन इंडिया के जरिए वैश्विक विनिर्माण और नवाचार को आगे बढ़ाने का विजन रखा।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ग्लोबल इकॉनमी में भारत की बढ़ती भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि जब दुनिया अस्थिरता और अनिश्चितता का सामना कर रही है, तब भी भारत विकास कर रहा है। ब्रिक्स बिज़नेस फ़ोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब दुनिया अस्थिरता के दौर से गुज़र रही है, तब भारत विकास कर रहा है। उन्होंने आगे कहा,÷ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच, आज भारत विकास और स्थिरता के लिए भरोसे का स्रोत बना हुआ है।
बदलती ग्लोबल इकॉनमी में ब्रिक्स की भूमिका पर पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स ग्लोबल इनोवेशन और समाधानों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। उन्होंने इस समूह से और ज़्यादा सामूहिक कार्रवाई का आह्वान करते हुए कहा, ÷आइए ब्रिक्स की महत्वाकांक्षा को कार्रवाई में और सामूहिक ताकत को ग्लोबल समाधानों में बदलें। ब्रिक्स आगे बढ़े और दुनिया को भी आगे ले जाए।
ग्लोबल ट्रेड के प्रति भारत के नज़रिए पर ज़ोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज, जब दुनिया भर में व्यापार की बाधाएं बढ़ रही हैं, भारत आर्थिक पुल बना रहा है।
उन्होंने मेक इन इंडिया, इनोवेट विद इंडिया, स्केल फॉर द वर्ल्ड के संदेश के साथ ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन के लिए भारत के विज़न को भी सामने रखा।
प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल इकॉनमी के लिए सुरक्षित समुद्री रास्तों के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि ग्लोबल ट्रेड तभी आगे बढ़ सकता है जब समुद्री रास्ते सुरक्षित हों, सप्लाई रूट खुले हों और नाविक सुरक्षित हों।
इसीलिए भारत नेविगेशन की आज़ादी और नाविकों की सुरक्षा का मज़बूती से समर्थन करता है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

पुतिन, मोदी संग हुई अहम बातचीत,रक्षा, ऊर्जा और यूक्रेन युद्ध पर बनी रणनीति

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तीन दिवसीय भारत दौरे पर शुक्रवार को नई दिल्ली पहुंचे। उनकी यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब भारत की मेजबानी में शनिवार से दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन शुरू होने जा रहा है। इस दौरान पुतिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों और व्यापार, निवेश व ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। पुतिन के साथ रूस का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली बार है जब पुतिन रूस के बाहर आयोजित किसी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा ले रहे हैं। भारत की मेजबानी में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, स्वास्थ्य, आपदा जोखिम कम करने और जरूरी आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत का लक्ष्य मौजूदा भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच ब्रिक्स को एक प्रभावी और मजबूत मंच के रूप में स्थापित करना है। यह सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों से गुजर रही है।
जलडमरूमध्य में जारी तनाव और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की व्यापार एवं शुल्क नीतियों का असर शामिल है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो समेत कई देशों के शीर्ष नेता शामिल हो रहे हैं।

मांसाहार विवाद पर बागेश्वर बाबा का यू-टर्न-बंगालियों को जो खाना है खाएं

» बीपीएस न्यूज

बंगाल में दुर्गा पूजा से ठीक पहले मांसाहारी भोजन और स्थानीय परंपराओं को लेकर उपजे तीखे विवाद के बीच बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अचानक अपने सुर बदलते हुए बड़ा यू-टर्न लिया है। अपने बयानों पर राज्य भर में मचे घमासान और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा कालीघाट में सार्वजनिक रूप से मछली का महाभोग ग्रहण किए जाने के बाद, बागेश्वर बाबा ने सफाई देते हुए कहा कि उनकी बातों का सरासर %अर्थ का अनर्थ' निकाला गया है। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने किसी के व्यक्तिगत खान-पान या पहनावे पर कभी कोई रोक नहीं लगाई और जिसको जो खाना है, वह खा सकता है।कोलकाता दौरे से लौटते ही अपने बयानों पर मची हलचल पर प्रतिक्रिया देते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने स्पष्ट किया कि वे बंगाल के लोगों के भोजन या परंपराओं के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस और बामाखेपा जैसी महान हस्तियों को मानने वाले हैं और बंगाल के लोग उनके अपने हैं। अपने पुराने रुख से पलटते हुए उन्होंने कहा कि वे किसी के भोजन पर बोलने वाले कोई नहीं होते, हालांकि एक धर्मगुरु होने के नाते वे जीव हिंसा और बलि प्रथा के खिलाफ हमेशा अपनी आवाज उठाते रहेंगे।दुर्गा पूजा पंडालों में मांसाहार को लेकर दी गई अपनी विवादित टिप्पणी पर सफाई पेश करते हुए उन्होंने कहा कि उनका मकसद केवल पूजा पंडालों की धार्मिक पवित्रता बनाए रखने की अपील करना था। उन्होंने कहा कि यदि कोई मांसाहार करना चाहता है तो वह अपने घर पर खा सकता है। बलि प्रथा पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि कोई मां अपने ही जीव की बलि कैसे स्वीकार कर सकती है और लोग धर्म के नाम पर अपनी जीभ के स्वाद के लिए बेजुबानों की हत्या करते हैं। बहरहाल, मांसाहार को लेकर बागेश्वर बाबा के इस बदले रुख और सफाई के बाद बंगाल के राजनीतिक और धार्मिक हलकों में चल रही जुबानी जंग के थमने के आसार जताए जा रहे हैं।

बागेश्वर धाम प्रमुख की तस्वीर जलाने के आरोप में कांग्रेस नेता गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की विधानसभा में दी गई चेतावनी के अगले ही दिन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तस्वीर जलाने के आरोप में कांग्रेस नेता को गिरफ्तार कर लिया। भवानीपुर थाने की पुलिस ने दक्षिण कोलकाता जिला कांग्रेस के महासचिव अतनु दास को शुक्रवार तड़के टॉलीगंज स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया।धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इस महीने की शुरुआत में कोलकाता आए । इस दौरान उन्होंने दुर्गापूजा के दौरान मांसाहारी भोजन करने को लेकर टिप्पणी की थी। उनके बयान को लेकर राज्यभर में विवाद खड़ा हो गया । यहां तक कि भाजपा के कई नेताओं ने भी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की टिप्पणी से असहमति जताई।इसी के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने भवानीपुर थाने के सामने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की तस्वीर जलाकर प्रदर्शन किया था।

महाराष्ट्र के भंडारा में ट्रक- बोलेरो की टक्कर में 9 लोगों की मौत, 9 घायल

» बीपीएस न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के भंडारा जिले के लाखनी तहसील में पिंपलगांव के पास नागपुर-रायपुर हाइवे पर आज सुबह ट्रक और बोलेरो के बीच हुई टक्कर में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। हाइवे पुलिस के मुताबिक घायलों को भंडारा स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया। वहां से गंभीर रूप से घायलों को नागपुर रेफर किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ की कुछ महिलाएं और अन्य मजदूर बोलेरो से नागपुर की ओर जा रहे थे। लाखनी के पास पिंपलगांव इलाके में पेट्रोल पंप और भाऊचा ढाबा के नजदीक हाइवे के किनारे खड़े ट्रक से अचानक बोलेरो टकरा गई । इस घटना में आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में छह महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं ।इस घटना में घायल नौ लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही गड़ेगांव स्थित हाइवे पुलिस रिलीफ सेंटर के प्रमुख रवींद्र रेवतकर अपने सहयोगियों और भंडारा पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से पुलिस और बचाव दल ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पीड़ितों की पहचान की जा रही है।

सागर जहरीली शराब कांड-मुख्य आरोपित रवि लखेरा का शॉर्ट एनकाउंटर, पैर में लगी गोली

» आरोपित रवि लखेरा पर 25 आपराधिक मामले दर्ज

» 18 आरोपित गिरफ्तार, 13 की तलाश जारी

» बीपीएस न्यूज

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र के बहुचर्चित जहरीली शराब कांड में फरार चल रहे मुख्य आरोपित रवि लखेरा को सागर पुलिस ने शुक्रवार तड़के मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।
पुलिस के मुताबिक, बरायठा के जंगल में हनुमान टोंग मंदिर के पास घेराबंदी के दौरान आरोपित ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घायल आरोपित को पहले बंडा अस्पताल ले जाया गया, बाद में बेहतर इलाज के लिए सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस ने 20 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस का कहना है कि आरोपित से पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसियां जहरीली शराब तैयार करने और उसकी सप्लाई से जुड़े नेटवर्क के अन्य लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं।पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात सूचना मिली थी कि रवि लखेरा (45 वर्ष), पुत्र सुरेश लखेरा बरायठा क्षेत्र के जंगल में छिपा हुआ है। इसके बाद पुलिस टीम ने हनुमान टोंग मंदिर के आसपास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपित ने कथित तौर पर फायरिंग की और भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और उसे पकड़ लिया गया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे।31 मौतों का दावा, प्रशासन ने 16 की पुष्टि कीबंडा क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ने का दावा किया जा रहा है। गुरुवार को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती तीन और मरीजों की मौत के बाद कुल मौतों का आंकड़ा 31 बताए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, प्रशासन की ओर से अब तक 16 मौतों की पुष्टि की गई है। मौतों के वास्तविक आंकड़े को लेकर प्रशासन और अन्य पक्षों के दावों में अंतर बना हुआ है। पुलिस के मुताबिक, मामले में अब तक 33 लोगों को आरोपित बनाया गया है। इनमें रवि लखेरा समेत 18 आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एक आरोपित की मौत हो चुकी है, जबकि एक अस्पताल में भर्ती है। पुलिस के अनुसार 13 आरोपित अभी फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है।
पुलिस के मुताबिक, करीब 45 वर्षीय रवि लखेरा मूल रूप से छतरपुर जिले का रहने वाला है और वर्तमान में उत्तर प्रदेश के ललितपुर में रहता है। पुलिस उसे अंतरराज्यीय अवैध शराब नेटवर्क से जुड़ा आरोपित मानती है। उसके खिलाफ मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत अन्य स्थानों पर करीब 25 आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इनमें कई मामले आबकारी अधिनियम से जुड़े बताए गए हैं। रवि वर्ष 2025 में सागर के बहेरिया थाना क्षेत्र में दर्ज आबकारी मामले में भी फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, मई 2026 में ललितपुर में पकड़ी गई कथित नकली शराब फैक्ट्री के मामले में भी उसका नाम सामने आया था।

देशभर में बैंक कर्मचारी हड़ताल पर पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग
28 सितंबर से फिर हड़ताल का ऐलान

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर चंडीगढ़ व हरियाणा सहित देशभर में बैंक कर्मचारी एक दिन की हड़ताल पर हैं। हड़ताल के कारण विभिन्न स्थानों पर सामान्य बैंकिंग कामकाज प्रभावित रहा।बैंकिंग उद्योग में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह सहित लंबे समय से लंबित मांगों के समर्थन में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (स्नक्क) के आह्वान पर शुक्रवार को देशभर में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने अखिल भारतीय हड़ताल की।
यूनियन प्रतिनिधियों ने हड़ताल को देशव्यापी स्तर पर व्यापक और सफल बताया। बैंक स्क्वायर, सेक्टर 17 चंडीगढ़ में, विभिन्न बैंकों और स्नक्क के घटक संगठनों से जुड़े कर्मचारियों और अधिकारियों ने स्थानीय कार्यक्रम में भाग लिया।
यूनियन नेताओं ने कहा कि बैंक कर्मचारी हड़ताल पर जाने के लिए विवश हुए हैं क्योंकि उनकी न्यायोचित मांगें औपचारिक समझौते और बार-बार दिए गए आश्वासनों के बावजूद पूरी नहीं की गईं। उनकी प्रमुख मांग पाँच दिवसीय बैंकिंग की है, जिस पर मार्च 2024 में इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और बैंक यूनियनों के बीच समझौता हुआ था। ढाई वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी सहमत व्यवस्था लागू नहीं हुई है।
नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार के कार्यालयों में वर्ष 1985 से पाँच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू है। राज्य सरकारों, जिला कार्यालयों, न्यायालयों, आयकर विभाग, शेयर बाजार, भारतीय रिजर्व बैंक और भी पाँच दिन कार्य की व्यवस्था है। इनमें से अधिकांश संस्थानों में सप्ताहांत पर कोई वैकल्पिक भौतिक सेवा उपलब्ध नहीं होती, जबकि बैंक,झरू इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, तथा अन्य डिजिटल और वैकल्पिक माध्यमों से ग्राहकों को 24 घंटे, सप्ताह के सातों दिन बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध कराते हैं।
यूनियनों का कहना है कि विश्व के लगभग सभी देशों में पाँच दिवसीय बैंकिंग सामान्य व्यवस्था है। मार्च 2024 में हुए समझौते के तहत यूनियनों ने प्रत्येक कार्यदिवस में कार्य और बैंकिंग व्यवसाय के समय को 40 मिनट बढ़ाने पर भी सहमति दी थी, ताकि शेष शनिवारों को अवकाश घोषित करने से ग्राहकों के लिए उपलब्ध कुल बैंकिंग समय में कोई कमी न आए।
हड़ताल का एक महत्वपूर्ण पक्ष - हड़ताल में भाग लेने वाले कर्मचारी और अधिकारी का उस दिन का वेतन काटा जाता है। इस प्रकार शुक्रवार की हड़ताल में शामिल प्रत्येक बैंककर्मी ने अपनी सामूहिक मांग के समर्थन में एक दिन का वेतन त्याग किया। यूनियन नेताओं ने कहा कि यह तथ्य स्वयं इस मुद्दे की गंभीरता और लंबे विलंब से उपजे असंतोष को दर्शाता है।
पांच दिवसीय बैंकिंग के अलावा स्नक्क ने एकतरफा और भेदभावपूर्ण व्यवस्था पर भी आपत्ति जताई है और मांग की है कि इसमें किसी भी बदलाव या क्रियान्वयन पर यूनियनों एवं एसोसिएशनों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की जाए तथा बैंकिंग उद्योग के शेष लंबित मुद्दों का समाधान किया जाए।

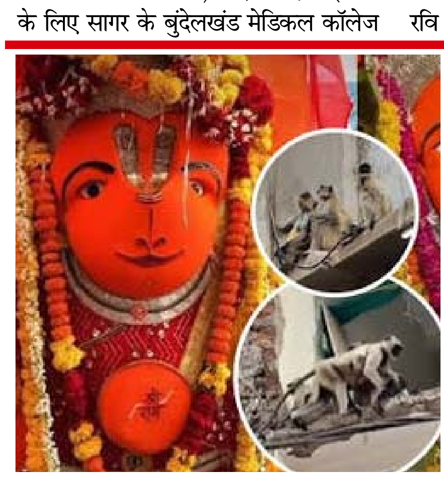

आस्था या चमत्कार: खड़े हनुमान मंदिर के बाहर पहुंचा लंगूरों का झुंड

उज्जैन में सती गेट स्थित खड़े हनुमानजी का मंदिर इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर धरातल तक चर्चा का केंद्र बना हुआ है। मार्ग चौड़ीकरण की कार्रवाई के बीच टेंट में विराजमान हनुमान जी की प्रतिमा और यहां अचानक पहुंचे लंगूरों के झुंड ने श्रद्धालुओं की आस्था और कौतूहल को और बढ़ा दिया है।सती गेट क्षेत्र में मार्ग चौड़ीकरण अभियान के तहत मंदिर के ऊपरी ढांचे को हटाया गया है। इसके बाद हनुमान जी की प्रतिमा टेंट में विराजमान है। पिछले चार दिनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक दावा तेजी से प्रसारित हो रहा है कि प्रशासन की कोशिशों के बावजूद प्रतिमा अपने स्थान से नहीं हिली और वहीं खड़ी रही। इस दावे के वायरल होने के बाद देशभर से श्रद्धालु बाबा के दर्शन और कथित चमत्कार को देखने के लिए उज्जैन पहुंचने लगे हैं। बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन को मौके पर बैरिकेडिंग करनी पड़ी है।इसी बीच गुरुवार को मंदिर परिसर के पास अचानक 12 से अधिक लंगूरों का झुंड पहुंच गया और करीब एक घंटे तक मने की इमारतों पर बैठकर मंदिर की ओर देखता रहा। इसे देखकर श्रद्धालुओं ने इसे बजरंगबली की महिमा से जोड़ना शुरू कर दिया। इसके बाद मौके पर कौतूहल के साथ जयकारों का माहौल भी देखने को मिला।जहां श्रद्धालु सोशल मीडिया पर वायरल दावों को आस्था और चमत्कार से जोड़कर देख रहे हैं, वहीं स्थानीय प्रशासन ने इन दावों को खारिज किया है।

जलती चिता से इंसान का मांस खाने वाली 'लेडी अघोरी' को लेकर चौंकाने वाले हुए खुलासे

मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित श्मशान घाट में जलती चिता से मानव मांस खाने वाली स्वयंभू 'लेडी अघोरी' उर्फ काली नंद गिरी इन दिनों पुलिस की गिरफ्त में है। एक खौफनाक वीडियो वायरल होने के बाद वह अचानक सुर्खियों में आ गई। लेकिन जैसे-जैसे मामले की परतें खुल रही हैं, इस कथित अघोरी का एक बेहद चौंकाने वाला और विवादित अतीत सामने आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स और शिकायतों के अनुसार, काली नंद गिरी पहले एक पुरुष थी और उस पर ठगी से लेकर जबरन शादी करने तक के कई गंभीर मामले दर्ज हैं। इतिहासआपको बता दें कि हाल ही में काली नंद गिरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में वह जलती चिता के पास खड़ी थी, उसके हाथ में तलवार थी और वह चिता से शव के टुकड़े निकालकर कथित तौर पर खाने का दावा कर रही थी। साथ ही वह आम लोगों को चेतावनी देते हुए डरा भी रही थी। वीडियो वायरल होने के बाद श्मशान में रहने वाले तांत्रिक विष्णुनाथ महाराज ने इसकी शिकायत पुलिस से की। जीवाजीगंज थाना पुलिस (ष्टस्क्कपुष्पा प्रजापति) ने तुरंत संज्ञान लेते हुए भारतीय न्याय संहिता (क्चहस्) की धारा 301 (शव के साथ छेड़छाड़/अपमान) के तहत स्नढ्ढक्र दर्ज की। पुलिस ने काली नंद गिरी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 15 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।
उज्जैन पुलिस की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि उसने जेंडर चेंज करवाकर काली अघोरी के रूप में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उज्जैन आकर डेरा जमा लिया। मीडिया से बात करते हुए विष्णुनाथ महाराज ने कहा कि उसने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में कई अपराध किए हैं। उससे संबंधित फोटो और वीडियो भी हैं। वह पहले लड़का था। पुलिस में शिकायत विष्णुनाथ महाराज ने ही कराई थी। उनके आरोपों की पुलिस जांच कर रही है।काली नंद गिरी का आपराधिक और विवादित रिकॉर्ड केवल उज्जैन तक सीमित नहीं है। दक्षिण भारत में इसके खिलाफ कई गंभीर मामले सामने आ चुके हैं। साल 2025 में तेलंगाना में 'वर्षिणी' नाम की एक छात्रा के साथ इसकी शादी का वीडियो वायरल हुआ था। यह शादी मध्य प्रदेश के एक मंदिर में हिंदू रीति-रिवाजों (सात फेरे और मंगलसूत्र) के साथ हुई थी। बाद में वर्षिणी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि वह केवल आध्यात्मिक ज्ञान के लिए संपर्क में आई थी, लेकिन उस पर दबाव डालकर और धमकाकर जबरन शादी की गई।इसके अलावा अप्रैल 2025 में ही एक दूसरी युवती ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा था कि अल्लूरी श्रीनिवास (काली नंद गिरी) ने 1 जनवरी को उससे शादी की थी और महज 12 दिन बाद ही उसने वर्षिणी से दूसरी शादी रचा ली।तेलंगाना की एक महिला फिल्म निर्माता ने आरोप लगाया था कि परिवार को बुरी शक्तियों से बचाने और तांत्रिक अनुष्ठान के नाम पर इस लेडी अघोरी ने उससे 10 लाख रुपये ऐंठ लिए। पैसे वापस मांगने पर महिला को धमकियां दी गईं। पुलिस ने तकनीकी जांच और आधार पर 22 अप्रैल 2025 को काली नंद की यूपी से गिरफ्तारी की थी।

15 दिन में शहर की सभी सड़कें हों गड्ढ़ामुक्त: मंडलायुक्त

» मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने किया निरीक्षण, तय समय में काम पूरा न होने पर कार्यदायी संस्था होगी काली सूची में

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बरसात समाप्ति की ओर होने के साथ ही शहर की सड़कों को दुरुस्त करने की कवायद तेज होगी। मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने शनिवार को सीएम ग्रिड योजना के तहत बन रही सड़कों और पैचवर्क का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को पैच मरम्मत में तेजी लाकर 15 दिन के भीतर शहर की सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए। साथ ही सीएम ग्रिड के कार्य हर हाल में 31 अक्टूबर तक पूरे करने को कहा। स्पष्ट किया कि तय समयसीमा में काम पूरा नहीं करने वाली कार्यदायी संस्थाओं को काली सूची में डालने की कार्रवाई की जाए।

मंडलायुक्त ने सबसे पहले जोन-2 के जाजमऊ क्षेत्र में सीएम ग्रिड योजना के तहत जेके प्रथम से पैसिफिक लॉन तथा वीआईपी रोड से लाल बंगला चौराहा तक बन रही सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, नगर निगम के मुख्य अभियंता समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत 2.4 किलोमीटर सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। यहां व्हाइट टॉपिंग पद्धति से सड़क बनाई जा रही है। इस तकनीक का इस्तेमाल विशेष रूप से उन स्थानों पर किया जाता है, जहां जलभराव की समस्या रहती है। अधिकारियों के अनुसार व्हाइट टॉपिंग से बनी सड़क 20 से 25 वर्ष तक क्षतिग्रस्त नहीं होती और आवागमन सुचारु रहता है।

इस मार्ग के निर्माण की निर्धारित समयसीमा 31 अक्टूबर है। मंडलायुक्त ने निर्माण कार्य युद्धस्तर पर कराते हुए एक माह में पूरा करने के निर्देश दिए। मार्ग पर 60 मीटर की पट्टी में अतिक्रमण के कारण फुटपाथ का काम रुका होने की जानकारी पर उन्होंने अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने और फुटपाथ का निर्माण शुरू कराने को कहा। स्पष्ट किया कि 31 अक्टूबर तक काम हर हाल में पूरा होना चाहिए, अन्यथा संबंधित कार्यदायी संस्था को काली सूची में डालने की कार्रवाई की जाए।

इसके बाद मंडलायुक्त ने वीआईपी रोड से लाल बंगला के बीच चल रहे पैच मरम्मत कार्य का जायजा लिया। मौके पर कार्य प्रगति पर मिला। उन्होंने कहा कि बरसात अब समाप्ति की ओर है, इसलिए पैच मरम्मत के काम में तेजी लाई जाए। मुख्य अभियंता को निर्देश दिए कि अभियान के रूप में कार्य कराते हुए अगले 15 दिनों में शहर की सड़कों को गड्ढामुक्त किया जाए।

मंडलायुक्त ने जोन-4 में स्वरूप नगर थाने से माता स्वरूप रानी मार्ग होते हुए मटके वाले चौराहे तक सीएम ग्रिड के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। यह मार्ग 1.50 किलोमीटर लंबा है। अधिकारियों ने बताया कि यहां कुल 3000 मीटर सीवर लाइन में से 2900 मीटर सीवर लाइन डाली जा चुकी है। 3000 मीटर वाटर लाइन के सापेक्ष 2500 मीटर का कार्य पूरा हो चुका है। 2800 मीटर इलेक्ट्रिक डक्ट एवं एचडीपीई पाइप डाले जा चुके हैं, जबकि 2900 मीटर स्ट्रॉर्म वाटर ड्रेनेज का कार्य पूरा हो गया है। फुटपाथ पर 850 मीटर पीसीसी हो चुकी है और रोड वर्क के तहत 200 मीटर सड़क की मिलिंग पूरी कर ली गई है। शनिवार से पेवर का काम भी शुरू कर दिया गया, जिसे तीन दिन में पूरा किया जाना है।

निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण से निकले मलबे को मंडलायुक्त ने शनिवार रात आठ बजे तक हर हाल में हटाने के निर्देश दिए। सड़क पर खुले मैनहोल और चैंबर के आसपास समुचित बैरिकेडिंग कराने को कहा, ताकि आमजन को असुविधा न हो। फुटपाथ की चौड़ाई दो मीटर तक सीमित रखने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने स्वरूप नगर-माता स्वरूप रानी मार्ग का कार्य भी 31 अक्टूबर तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। तय समयसीमा में कार्य पूरा नहीं होने पर कार्यदायी संस्था मेसर्स एसएस इन्फाजोन को काली सूची में डालने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

‘सत्य साई बाबा’ में सत्य साई बाबा के रूप में नज़र आएंगे भजन सम्राट अनूप जलोटा

‘सत्य साई बाबा’ 18 सितंबर रिलीज होगी

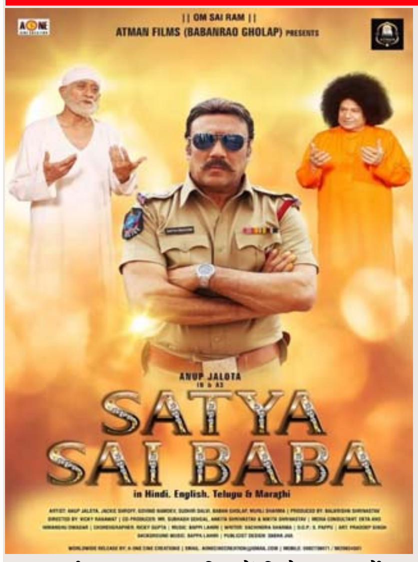

बॉलीवुड के चर्चित निर्माता बालाकृष्ण श्रीवास्तव के ए वन सिने क्रिएशंस के बैनर तले निर्मित, विक्की राणावत के द्वारा निर्देशित फिल्म ‘सत्य साई बाबा’ सभी सिनेमाघरों में 18 सितंबर को रिलीज होगी श्री सत्य साई बाबा के जीवन वृत पर आधारित रेडिफ एमएम फिल्म-‘सत्य साई बाबा’ की कथावस्तु में सामाजिक सरोकार से जुड़े तथ्यों और श्री सत्य साई बाबा द्वारा जनहित में किये गए कार्यों का समावेश किया गया है। सत्य साई बाबा का जन्म 23 नवंबर, 1926 को हुआ था। सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में उनके असंख्य अनुयायी हैं।24 अप्रैल 2011 को एक लंबी बीमारी के बाद बाबा ने चिरसमाधि ले ली। बाबा को प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु शिरडी के साईं बाबा का अवतार माना जाता है। इस फिल्म में अनूप जलोटा सत्य साई बाबा की भूमिका में नज़र आएंगे। आत्मन फ़िल्म्स की इस नवीनतम प्रस्तुति में अनूप जलोटा के अलावा जैकी श्रॉफ, सुधीर दलवी, बबन घोलाप और मुरली शर्मा भी अपने अभिनय का जलवा बिखेरते नज़र आएंगे। इस फिल्म के गीतकार राजन लायलपुरी, संगीतकार बप्पी लहरी और डी ओ पी एस पप्पू और लेख़क सचिन्द्र शर्मा हैं।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

बॉलीवुड में दस्तक देगी अदाकारा स्विंकी मेहता..!

मॉडलिंग की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बाद अदाकारा स्विंकी मेहता अब बहुत जल्द ही बॉलीवुड में दस्तक देंने वाली हैं। अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और प्रतिभा के दम पर पहचान बनाने वाली स्विंकी मेहता इन दिनों अपने आगामी पंजाबी एल्बम को लेकर उत्साहित हैं। इसके साथ ही वह अभिनेता पंकज त्रिपाठी से जुड़े खादी ब्रांड के साथ भी मॉडलिंग कर रही हैं। अब स्विंकी बॉलीवुड, टॉलीवुड और म्यूजिक वीडियो के साथ अभिनय की दुनिया में भी अपनी मजबूत पहचान बनाने की तैयारी कर रही हैं। अपने करियर के दौरान स्विंकी मेहता ने कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं, प्रिंट कैंपेन, गृहशोभा मैगजीन और विभिन्न कपड़ों के ब्रांड्स के साथ काम किया है। वह कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्होंने एक कलाकार के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। अब उनका अगला लक्ष्य फिल्मों में दमदार भूमिकाएं निभाना है, जिनके माध्यम से वह अपनी अभिनय क्षमता के विभिन्न रंग दर्शकों के सामने पेश कर सकें।

दिल्ली निवासी और पंजाबी मूल की स्विंकी ने अपने मॉडलिंग करियर की शुरुआत दिल्ली और पंजाब से की थी। कड़ी मेहनत, समर्पण और पेशेवर अंदाज के बल पर उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फैशन शो में रैंप वॉक किया है। वह विभिन्न प्रिंट कैंपेन और विज्ञापन परियोजनाओं का भी हिस्सा रही हैं।अपने सफर की शुरुआत को याद करते हुए स्विंकी बताती हैं कि किशोरावस्था से ही उन्हें अपने व्यक्तित्व और आकर्षक अंदाज के कारण मॉडलिंग के प्रस्ताव मिलने लगे थे। कई विज्ञापनों में काम करने के बाद मॉडलिंग के प्रति उनका जुनून और बढ़ता गया, जिसने उन्हें आगे चलकर फिल्म इंडस्ट्री की ओर प्रेरित किया। वह मानती हैं कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं। स्विंकी सामाजिक और मानवीय मुद्दों को लेकर भी गंभीर हैं। नेपाल में आई त्रासदी और उससे प्रभावित लोगों की स्थिति पर चिंता जताते हुए वह कहती हैं कि ऐसे कठिन समय में सीमाएं मायने नहीं रखतीं, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण मानवता होती है। उनका मानना है कि हर सक्षम व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार पीड़ित और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए।

वह आगे कहती हैं कि सिर्फ नेपाल ही नहीं, भारत में भी अनेक लोग गरीबी, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य कठिन परिस्थितियों से जूझ रहे हैं।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

रोजाना मिर्च खाने वालों में 14% कम होता है Death Risk

क्या तीखा खाना खाने से बढ़ सकती है उम्र ?

अधिकतर भारतीयों को तीखा खाना ज्यादा पसंद है। जब भी हम कुछ बनाते हैं, तो उसमें कई तरह के मसालों का इस्तेमाल किया जाता है। जो खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ तीखापन भी लाता है। लेकिन हर किसी को तीखा खाना पसंद नहीं होता है। लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि तीखा खाना खाने से आपकी उम्र बढ़ सकती है।

दरअसल, पिछले कुछ सालों में इस पर रिसर्च की गई है। जिसमें मसालेदार खाना खाने और लंबी उम्र के बीच एक कनेक्शन देखने को मिला है। हालांकि वैज्ञानिकों की मानें, तो अभी इस पर रिसर्च की और जरूरत है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या सच में तीखा खाने वाले लोगों की जिंदगी लंबी हो सकती है।

जानें रिसर्च में क्या आया सामने

एक रिसर्च के मुताबिक करीब 5 लाख से अधिक लोगों की सेहत पर नजर रखी गई थी। उन पर स्टडी की गई, जिसमें पाया गया कि जो लोग सप्ताह में 6 से 7 दिन मसालेदार खाना खाते थे। उनमें मौत का खतरा अन्य लोगों की तुलना में कम था। जो लोग सप्ताह में एक बार या इससे भी कम तीखा खाना खाते थे।यह अंतर करीब 14त्न तक देखा गया। वहीं यह भी पाया गया कि मसालेदार खाना खाने वालों में कुछ तरह के कैंसर, हार्ट डिजीज और लंग्स से जुड़ी समस्याओं की वजह मौत का खतरा कम देखा गया।

अन्य रिसर्च ने भी दिए ऐसे ही संकेत

अन्य रिसर्च में भी यह पाया गया कि जो लोग नियमित रूप से अपनी डाइट में लाल मिर्च शामिल करते हैं। उनमें मौत का जोखिम अन्य लोगों की तुलना में कम होता है। यह अंतर करीब 13त्न तक था। लेकिन यह सिर्फ एक ही कनेक्शन दिखाता है। जिसका मतलब यह नहीं है कि लंबी उम्र की वजह सिर्फ तीखा मिर्च खाना हो।

मिर्च में क्या होता है

मिर्च में कैप्साइसिन नामक एक्टिव एलिमेंट पाया जाता है। जिस कारण यह तीखा होता है। यह तत्व हमारी बॉडी में कुछ खास रिसेप्टर्स पर असर करता है, जो तीखेपन और गर्मी को महसूस करते हैं। इस एलिमेंट से सेहत पर सकारात्मक असर होता है।

दिल की सेहत को फायदा

रिसर्च में पाया गया है कि कैप्साइसिन बॉडी में अच्छे कोलेस्ट्रॉल यानी की ॥岠रुके लेवल को बढ़ा सकता है। वहीं कुछ लोग तीखा खाने पर नमक का कम इस्तेमाल करते हैं। जिससे बीपी को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। लेकिन यह फायदा आपकी लाइफस्टाइल और खानपान की आदतों पर निर्भर करती है।

हमेशा पेट के लिए नुकसानदायक नहीं

आमतौर पर लोगों को लगता है कि तीखा खाना पेट को नुकसान पहुंचाता है। लेकिन रिसर्च के मुताबिक कैप्साइसिन पेट को नुकसान नहीं पहुंचाता है। लेकिन जिन लोगों को गैस, एसिडिटी या कुछ डाइजेशन संबंधी समस्याएं हैं, उनको तीखा खाने पर कुछ समस्याएं हो सकती हैं।

शहर की सड़कों का मंडलायुक्त ने किया निरीक्षण, दो दिन में पैचवर्क पूरा करने के निर्देश

» रामादेवी से आईआईटी तक प्रमुख मार्गों का लिया जायजा, खराब सड़क मिलने पर एनएच खंड के अधिशासी अभियंता को फटकार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने शहर के प्रमुख मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर सड़कों की स्थिति और आवागमन की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने रामादेवी से आईआईटी मार्ग, मैनावती मार्ग, सिंहपुर से कल्याणपुर मार्ग तथा स्वरूप नगर-नवाबगंज मार्ग सहित शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़कों की वर्तमान स्थिति, क्षतिग्रस्त हिस्सों और विभिन्न स्थानों पर आवश्यक पैचवर्क का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी एनएच खंड से संबंधित मार्गों पर आवश्यक पैचवर्क नहीं होने पर मंडलायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिशासी अभियंता ए.के. जयंत को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि संबंधित मार्गों पर पैचवर्क का कार्य युद्धस्तर पर कराया जाए और प्रत्येक दशा में दो दिन के भीतर कार्य पूर्ण कर सड़कों को मोटरेबल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्गों पर गड्ढों और क्षतिग्रस्त हिस्सों के कारण यातायात प्रभावित नहीं होना चाहिए।

मंडलायुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को भी शहर की प्रमुख सड़कों की स्थिति तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम के अधीन आने वाले मार्गों का निरीक्षण कर जहां भी गड्ढे अथवा क्षतिग्रस्त हिस्से हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर पैचवर्क कराया जाए। सड़कों को केवल औपचारिक रूप से गड्ढामुक्त करने के बजाय इस प्रकार दुरुस्त किया जाए कि वे आवागमन के लिए पूरी तरह सुगम एवं मोटरेबल हों।

उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्रमुख मार्गों पर पैचवर्क एवं मरम्मत के कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। जिन स्थानों पर सड़क की स्थिति खराब है, वहां तत्काल कार्य प्रारंभ कराया जाए और कार्य की गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जाए।

मंडलायुक्त ने कहा कि शहर की सड़कों को बेहतर स्थिति में रखना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। आमजन को आवागमन में असुविधा न हो, इसके लिए पीडब्ल्यूडी, एनएच खंड और नगर निगम अपने-अपने अधीन मार्गों पर आवश्यक मरम्मत एवं पैचवर्क का कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराएं।

रेलवे परिसर में अराजकता फ़ैलाने वाले किन्नरों के विरुद्ध रेलवे एक्ट के तहत की गयी कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कानपुर सेंट्रल द्वारा रेलवे यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्टेशन परिसर में लगातार सतर्कता एवं निगरानी की जा रही है। यात्रियों से संबंधित शिकायतों एवं असुविधा के मामलों में आरपीएफ के द्वारा संवेदनशीलता के साथ त्वरित एवं नियमानुसार कार्रवाई की गई ।

आरपीएफ कानपुर सेंट्रल के स्टाफ द्वारा स्टेशन के दिल्ली छोर एफओबी पर गश्त एवं निगरानी के दौरान 08 किन्नरों को आपस में न्यूसेन्स करते हुए पाया गया। आरपीएफ स्टाफ के द्वारा उन्हें समझाते हुए रेलवे परिसर में यात्रियों को असुविधा उत्पन्न न करने तथा अनुशासन बनाए रखने के लिए चेतावनी दी गयी।

लेकिन उसके बावजूद भी ना मानने पर यात्रियों की सुविधा एवं रेलवे परिसर में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के दृष्टिगत आरपीएफ द्वारा आठो किन्नरों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए सभी को हिरासत में लिया गया तथा उनके विरुद्ध धारा 145 रेल अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

इस संबंध में कुल 08 प्रकरण पंजीकृत किए गए।आरपीएफ कानपुर सेंट्रल यात्रियों की सुरक्षा, सम्मान एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेलवे परिसर में अनुशासन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा, न्यूसेन्स अथवा सुरक्षा संबंधी समस्या होने पर तत्काल आरपीएफ/रेलवे हेल्पलाइन अथवा निकटतम आरपीएफ कर्मी को सूचित करने की अपील की । कहा गया यात्री सुविधा, यात्री सुरक्षा और सम्मानजनक यात्रा – आरपीएफ कानपुर सेंट्रल की सर्वोच्च प्राथमिकता है ।

कॉलेज में पड़ा मिला सुरक्षा गार्ड का संदिग्ध परिस्थितियों में शव

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के थाना महाराजपुर क्षेत्र स्थित आचार्य रघुवीर इंटर कॉलेज में सुरक्षा गार्ड के पद पर तैनात कर्मचारी का संदिग्ध परिस्थियों में शव शुक्रवार की सुबह कॉलेज परिसर में पडा होने की सूचना के बाद हडकंप मच गया। आनन-फानन में कर्मचारी के शव की सूचना पुलिस को दी गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूंछतांछ करते हुए जांच शुरू की।कॉलेजन के प्राधानाचार्य गिरजेश नारायण त्रिपाठी ने बताया कि कार्यरत् सुरक्षा गार्ड 65 वर्षीय सुरेश तिवारी थाना क्षेत्र चकेरी के यादव नगर का रहने वाला था। कॉलेज परिसर में उसका शव पडे होने की सूचना पुलिस को दी गयी, जिसके बाद उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह मौके पर पहुंचे।

डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता तथा चकेरी थाना प्रभारी आशुतोष सिंह भी कॉलेज पहुंची और घटना की जानकारी ली। घटना स्थल पर फोरेसिंक टीम के साथ मिलकर साक्ष्य एकत्र किए गऐ। महाराजपुर थाना प्रभारी जनार्दन सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

पुराने जाजमऊ गंगा पुल की मरम्मत कार्य शुरू

कानपुर। कानपुर में पुराने जाजमऊ गंगा पुल की मरम्मत के कारण भारी वाहनों पर रोक लगने से रोडवेज बस से कानपुर की दूरी में 60 किलोमीटर की बढ़ोतरी हो जाएगी। अब बसों को कानपुर पहुंचने में 80 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना होगा। उन्नाव से कानपुर जाने वाली बसों को बिहार-बक्सर मार्ग से चौडगरा होकर जाना पड़ेगा। यह दूरी तय करने में करीब डेढ़ घंटे का अतिरिक्त समय लगेगा।

परिवहन विभाग के रीजनल मैनेजर महेश कुमार ने बताया कि अभी किराया नहीं बढ़ेगा। कुछ दिन वैकल्पिक रूट से बसों के आवागमन के बाद किराया बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है। उन्नाव के एएसपी अखिलेश सिंह ने बताया कि उन्नाव से कानपुर जाने वाली लेन से 12 सितंबर से 13 दिसंबर 2026 तक भारी वाहनों पर रोक रहेगी। हल्के वाहन पहले की तरह चलते रहेंगे।

इस दौरान उन्नाव से औरैया-इटावा जाने वाले वाहन गंगा एक्सप्रेसवे से होकर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे का प्रयोग कर जाएंगे। एनएच-31 से बिहार होते हुए एनएच-19 पर स्थित बक्सर मोड़ (दूधीकगार) से प्रयागराज हाईवे से रामदेवी चौराहा होकर कानपुर जाएंगे। उन्नाव से बांदा, महोबा की ओर जाने वाले भारी वाहन एनएच- 31 से लालगंज-फतेहपुर होते हुए जाएंगे।

डेंगू रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने तेज किया अभियान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर नोडल अधिकारी (वीबीडी) डॉ. राजेश्वर सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, मलेरिया निरीक्षक मन्जीत कुमार यादव, लैब टेक्नीशियन गणेश चन्द्र शंखवार, पाथ के रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शिवकांत एवं जनपदीय टीम द्वारा बिधनू के ग्राम भारू तथा पतारा के ग्राम रंजीतपुर में बुखार सर्वेक्षण, जांच, सोर्स रिडक्शन एवं अन्य निरोधात्मक गतिविधियों का निरीक्षण किया गया।ग्राम भारू में लार्वीसाइडल स्प्रे, इंडोर स्पेस स्प्रे, बुखार सर्वेक्षण एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं बाढ़ प्रभावित मेहरबान सिंह का पुरवा एवं तात्या टोपे नगर का निरीक्षण कर प्रतिदिन स्वास्थ्य शिविर, सोर्स रिडक्शन एवं सायंकालीन फॉगिंग कराने के निर्देश दिए गए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ओआरएस पैकेट एवं क्लोरीन टैबलेट वितरित किए गए।

पांडु नगर, ग्वालटोली, चौबेपुर, आजाद नगर एवं बिधनू से डेंगू के मामले सामने आने पर संबंधित क्षेत्रों में आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई कराई गई। विभिन्न क्षेत्रों में 942 घरों का सर्वेक्षण कर 23 घरों में लार्वा पाए गए तथा 30 घरों में लार्वा नष्ट कराया गया।रंजीतपुर, भारू एवं मेहरबान सिंह का पुरवा में स्वास्थ्य शिविर लगाकर कुल 111 मरीजों की जांच की गई। लोगों को घरों एवं आसपास पानी जमा न होने देने, मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने तथा शरीर को ढककर रखने की सलाह दी गई। वहीं टीम द्वारा नौबस्ता गल्लामंडी के मिल्लत नगर क्षेत्र में भी एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया।संचारी रोगों से संबंधित सूचना एवं सहायता के लिए यूएचएम चिकित्सालय परेड स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 तथा नगर निगम कंट्रोल रूम के नंबर 0512-2526004 एवं 2526005 पर संपर्क किया जा सकता है।

कानपुर में स्वाइन फ्लू: अगस्त से अब तक मिले 32 मरीज

9 वर्षीय बुजुर्ग मेदांता लखनऊ में भर्ती, हालत गंभीर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर शहर में स्वाइन फ्लू का प्रकोप लगातार गहराता जा रहा है। अगस्त माह से अब तक कुल 32 मरीज सामने आ चुके हैं। रविवार को 79 वर्षीय बुजुर्ग में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कानपुर में स्वाइन फ्लू का प्रकोप तेजी से पैर पसार रहा है। अगस्त महीने से लेकर अब तक शहर में स्वाइन फ्लू के कुल 32 मामले दर्ज किए जा चुके हैं,

जिससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। रविवार को स्वाइन फ्लू का एक और नया मामला सामने आया, जिसमें 79 वर्षीय एक बुजुर्ग मरीज में संक्रमण की पुष्टि हुई है। मरीज की हालत गंभीर है।

उन्हें लखनऊ स्थित मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

यहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम की निगरानी में उनका गहन इलाज चल रहा है। नोडल अधिकारी डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि बदलते मौसम और वातावरण में नमी के कारण वायरल संक्रमण का प्रसार बढ़ा है। बुजुर्गों, बच्चों और पहले से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों में इसका खतरा सबसे ज्यादा देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी प्रमुख अस्पतालों को अलर्ट पर रखा है। संदिग्ध लक्षणों वाले मरीजों की त्वरित जांच के निर्देश दिए हैं।

तेज बुखार, लगातार खांसी, गले में खराश, बदन दर्द और सांस फूलने जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टरी सलाह लें।

भीड़भाड़ वाले स्थानों, अस्पतालों और सार्वजनिक परिवहन में मास्क जरूर पहनें। हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोएं या अल्कोहल युक्त सैनिटाइजर का उपयोग करें।

फ्लू के लक्षण महसूस होने पर स्वयं को घर पर अलग रखें, ताकि संक्रमण परिवार के अन्य सदस्यों तक न पहुंचे। स्वास्थ्य प्रशासन ने नागरिकों से पैनिक न करने और किसी भी प्रकार के लक्षण मिलने पर तुरंत नजदीकी सरकारी या अधिकृत स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करने की अपील की है।

कानपुर में अपराधियों को पुलिस का कोई डर नहीं: अमिताभ बाजपेई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने काकादेव स्थित मृतक व्यापारी अमित कुमार गुप्ता के आवास पर पहुँचकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। परिजनों ने बताया कि घटना के 4 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस का कोई बड़ा अधिकारी जांच करने या सांत्वना देने तक उनके घर नहीं पहुंचा है, जिससे परिवार में भारी आक्रोश है।विधायक ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि पांडुनगर चौकी से मात्र 300 मीटर दूर बीच सड़क पर एक कारोबारी को 30 मिनट तक पीटा जाता रहा और पुलिस को भनक तक नहीं लगी। इससे भी ज्यादा शर्म की बात यह है कि जघन्य अपराधी वारदात के बाद बेखौफ होकर वीडियो जारी कर रहे हैं, उन्हें पुलिस का कोई डर नहीं है। ऐसा लगता है जैसे पुलिस का उन पर हाथ है। यह घटना बताती है कि कानपुर में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। व्यापारियों में दहशत का माहौल है।

विधायक ने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन देते हुए मांग की सभी जघन्य अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी हो। पीड़ित परिवार को सुरक्षा व आर्थिक सहायता दी जाए। मामले की जांच उच्चाधिकारियों द्वारा कर फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई हो। इस अवसर पर सपा नेता सम्राट विकास यादव, नीरज सिंह, कृष्णा शर्मा, वीरेंद्र त्रिपाठी, वरूण जायसवाल, विकास कनौजिया, चेतन पांडे सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कानपुर में जुटे देशभर के सेवा संगठन, हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेले की तैयारियों पर हुआ मंथन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में प्रस्तावित हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में रविवार को बीएनएसडी शिक्षा निकेतन, बेनाझाबर में देशभर से आए विभिन्न सामाजिक सेवा संगठनों के प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले के आयोजन, सामाजिक सहभागिता, सेवा कार्यों के प्रचार-प्रसार और विभिन्न संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य देश के अलग-अलग हिस्सों में समाजसेवा के क्षेत्र में काम कर रहे संगठनों को एक साझा मंच से जोड़ना और उनके कार्यों को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाना रहा। इसके साथ ही मेले में आने वाले लोगों को सेवा, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़े

कार्यों की जानकारी देने पर भी जोर दिया गया।

हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला के राष्ट्रीय संयोजक गुणवंत कोठारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की सेवा परंपरा सदियों से समाज को जोड़ने और मानव कल्याण की दिशा दिखाने वाली रही है। उन्होंने कहा कि देश में अलग-अलग संस्थाएं अपने स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और अन्य क्षेत्रों में सेवा कार्य कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे संगठनों को एक मंच पर लाकर उनके कार्यों को समाज के सामने प्रस्तुत करना मेले का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इससे एक ओर जहां लोगों को विभिन्न सेवा संस्थाओं के कार्यों की जानकारी मिलेगी, वहीं दूसरी ओर संस्थाओं के बीच अनुभव और संसाधनों का आदान-प्रदान भी संभव होगा।

बैठक में देश के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे सामाजिक सेवा संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने-

बैठक में बताया गया कि हिंदू आध्यात्मिक सेवा मेला सरकार से किसी प्रकार का आर्थिक सहयोग लेकर आयोजित नहीं किया जा रहा है। इसके बजाय आयोजन को समाज के सहयोग और चंदे के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है।गुणवंत कोठारी ने भारतीय समाज की पारंपरिक सेवा व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले जीवन के एक चरण में लोग वानप्रस्थ व्यवस्था के माध्यम से समाज और राष्ट्र के लिए अपना समय समर्पित करते थे। आज सेवा भावना अलग-अलग सामाजिक संस्थाओं और संगठनों के माध्यम से

अपने क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा की। प्रतिनिधियों ने बताया कि उनकी संस्थाएं समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचकर सेवा गतिविधियों को आगे बढ़ा रही हैं।

इसके अलावा, मेले में अधिक से अधिक संस्थाओं और स्वयंसेवकों की सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर भी सुझाव दिए गए। साथ ही, सेवा कार्यों को व्यवस्थित तरीके से लोगों तक पहुंचाने और आगंतुकों को संस्थाओं की गतिविधियों से जोड़ने पर चर्चा हुई।

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि मेले में शामिल होने वाले सेवा संगठनों के कार्यकर्ताओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं। आयोजकों की ओर से बाहर से आने वाले कार्यकर्ताओं के ठहरने की व्यवस्था किए जाने की जानकारी भी दी गई।

समाज के सहयोग से आयोजित होगा मेला

आगे बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ता अपनी क्षमता और समय के अनुसार समाज के लिए योगदान दे रहे हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से इन प्रयासों को एक-दूसरे से जोड़ने का अवसर मिलता है।

मेले में आने वाले लोगों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कार्यकर्ताओं के व्यवहार पर भी विशेष चर्चा हुई। संयोजक ने सेवा संस्थाओं के प्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से अपील की कि स्टॉल पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ विनम्र और सहयोगी व्यवहार किया जाए।

काकादेव में व्यवसायी के साथ मारपीट करने वाले अभियुक्त के दोनों पैरों में पुलिस ने मारी गोली

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि 5 सितम्बर 2026 को थाना काकादेव क्षेत्र में अमित कुमार नामक व्यवसायी के साथ मारपीट की घटना हुई थी, जिनकी उपचार के दौरान 8 सितम्बर 2026 को मृत्यु हो गई। प्रकरण में अभियोग पंजीकृत कर सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी साक्ष्य संकलित किए गए, जिसके आधार पर 04 अभियुक्तों के नाम प्रकाश में आए। मुख्य अभियुक्त संजय ढाबा, जिसके विरुद्ध 50 से अधिक अभियोग पंजीकृत हैं, की गिरफ्तारी हेतु पुलिस की 04 टीमें लगातार प्रयासरत थीं।आज पुलिस टीम द्वारा उसे रोकने का प्रयास किया गया तो अभियुक्त द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई। आत्मरक्षार्थ पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में अभियुक्त के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसे उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है।पूछताछ में अभियुक्त द्वारा एक पत्रकार द्वारा सोशल मीडिया पर स्वयं को निर्दोष बताते हुए वीडियो प्रसारित करने की सलाह दिए जाने की बात बताई गई है। उक्त तथ्य की भी विवेचना की जा रही है। शेष अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें लगातार प्रयासरत हैं।

केवीएस राष्ट्रीय बास्केटबॉल में रोमांच चरम पर, चंडीगढ़ और मुंबई की दमदार जीत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। केंद्रीय विद्यालय आईआईटी कानपुर में आयोजित 55वीं केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता 2026-27 के बास्केटबॉल बालक वर्ग में शनिवार को रोमांचक मुकाबले खेले गए। देश के विभिन्न संभागों से पहुंचे खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।अंडर-14 वर्ग में चंडीगढ़ ने हैदराबाद को 47-33 से हराकर प्रभावशाली जीत दर्ज की। भोपाल ने देहरादून को 30-0 से मात दी, जबकि चेन्नई ने जम्मू को 25-19 से पराजित किया। एक बेहद करीबी मुकाबले में वाराणसी ने बेंगलुरु को 17-15 से शिकस्त दी। दिल्ली ने एर्नाकुलम को 34-8 से हराया, वहीं गुरुग्राम ने आगरा को 42-28 से पराजित किया। अन्य मुकाबलों में चंडीगढ़ ने दिल्ली और जयपुर ने आगरा को हराकर अगले दौर की ओर कदम बढ़ाए।अंडर-17 वर्ग में भी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। चंडीगढ़ ने कोलकाता को 59-24 के बड़े अंतर से हराया। दिन के सबसे रोमांचक मुकाबलों में शामिल लखनऊ और मुंबई के मैच में मुंबई ने 38-36 से जीत दर्ज की। जबलपुर ने अहमदाबाद को 39-16 से हराया, जबकि भोपाल ने एर्नाकुलम को 35-31 से पराजित कर अपनी दावेदारी मजबूत की।प्रतियोगिता के संचालन और तकनीकी व्यवस्था में विशेषज्ञ अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। तकनीकी पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी केंद्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय, नई दिल्ली के डॉ. अभय सिंह राठौर ने संभाली। आयोजन एवं निर्णयन दल में संतोष कुमार मौर्य, वंदना सिंह राठौर, डॉ. अनवर अली और अमित कनौजिया शामिल रहे। मुकाबलों का निर्णयन बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के मुख्य निर्णायक वीरेन्द्र विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता ने एक बार फिर साबित किया कि केंद्रीय विद्यालयों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

प्रेमी संग पकड़े जाने पर बेटे की मां ने गला दबाकर की हत्या

महाराजपुर में 14 वर्षीय किशोर ने मां को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था

» बीपीएस न्यूज

» ग्रामीणों को बेटे की पेट दर्द से मौत होने की बात बताई, मां और उसका प्रेमी गिरफ्तार

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां 14 वर्षीय किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले की जांच में उसकी मां और उसके प्रेमी की भूमिका सामने आई।

पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच के आधार पर पुलिस घटना की कड़ियां जोड़ रही है।

पुलिस के मुताबिक महिला का पति गुजरात में नौकरी करता है। इसी दौरान महिला के एक युवक से संबंध होने की बात सामने आई। आरोप है कि किशोर ने अपनी मां को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। इसके बाद घर में विवाद हुआ। आरोप है कि मां ने प्रेमी के साथ मिलकर बेटे को रास्ते से हटाने की साजिश रची और उसका गला दबाकर हत्या कर दी।वारदात के बाद परिजनों और ग्रामीणों को गुमराह करने की कोशिश की गई। महिला ने बेटे की मौत का कारण पेट में तेज दर्द होना बताया। अचानक 14 वर्षीय किशोर की मौत से आसपास के लोगों को भी संदेह हुआ। मामला पुलिस तक पहुंचने के बाद जांच शुरू हुई और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर हत्या का शक गहराता गया।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जांच में सामने आए तथ्यों और पूछताछ के बाद मां तथा उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस दोनों से हत्या के कारण, घटना के समय मौजूदगी और वारदात के बाद बनाई गई कहानी को लेकर पूछताछ कर रही है।अधिकारियों के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक साक्ष्य और आरोपियों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले में यह भी जांच की जा रही है कि हत्या में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं। महाराजपुर पुलिस ने घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं।

'सेवा दिवस' के रूप में मना देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज का 48वां जन्मोत्सव

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विश्व शांति सेवा समिति, कानपुर के तत्वावधान में शनिवार को परमपूज्य शांतिदूत धर्मरत्न पं0 देवकी नंदन ठाकुर जी महाराज का 48वां जन्मोत्सव कानपुर कार्यालय में सेवा दिवस के रूप में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के तहत प्रातः 11 बजे लगभग 108 साधु-संतों को प्रसादी ग्रहण कराई गई, जिन्होंने महाराज जी के दीर्घायु एवं आरोग्य जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया। अपराह्न 3 बजे वृंदावन से पधारे आचार्य श्री श्याम सुंदर शर्मा जी द्वारा दीप प्रज्वलन और गुरु वंदना के साथ दिव्य सुंदरकांड के पाठ का शुभारंभ किया गया तथा निरंतर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। इस दौरान समिति के सदस्यों ने असहायों की सेवा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सहायता का संकल्प लिया। कानपुर समिति के सचिव विपिन बाजपेयी ने बताया कि आगामी 12 नवंबर से 18 नवंबर तक कानपुर में महाराज श्री के मुखारविंद से 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मनोज-मिथिलेश पांडेय, कमलेश गुप्ता, निरंकार रेखा गुप्ता, सत्येंद्र-इंदिरा गुप्ता, नवीन-मनीषा गुप्ता, पूनम- राजू पांडेय,नीरज वर्मा,अजय मिश्रा,रानी अवस्थी, प्रीति मिश्रा, किरन तिवारी, कामिनी मिश्रा सहित अनेक गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

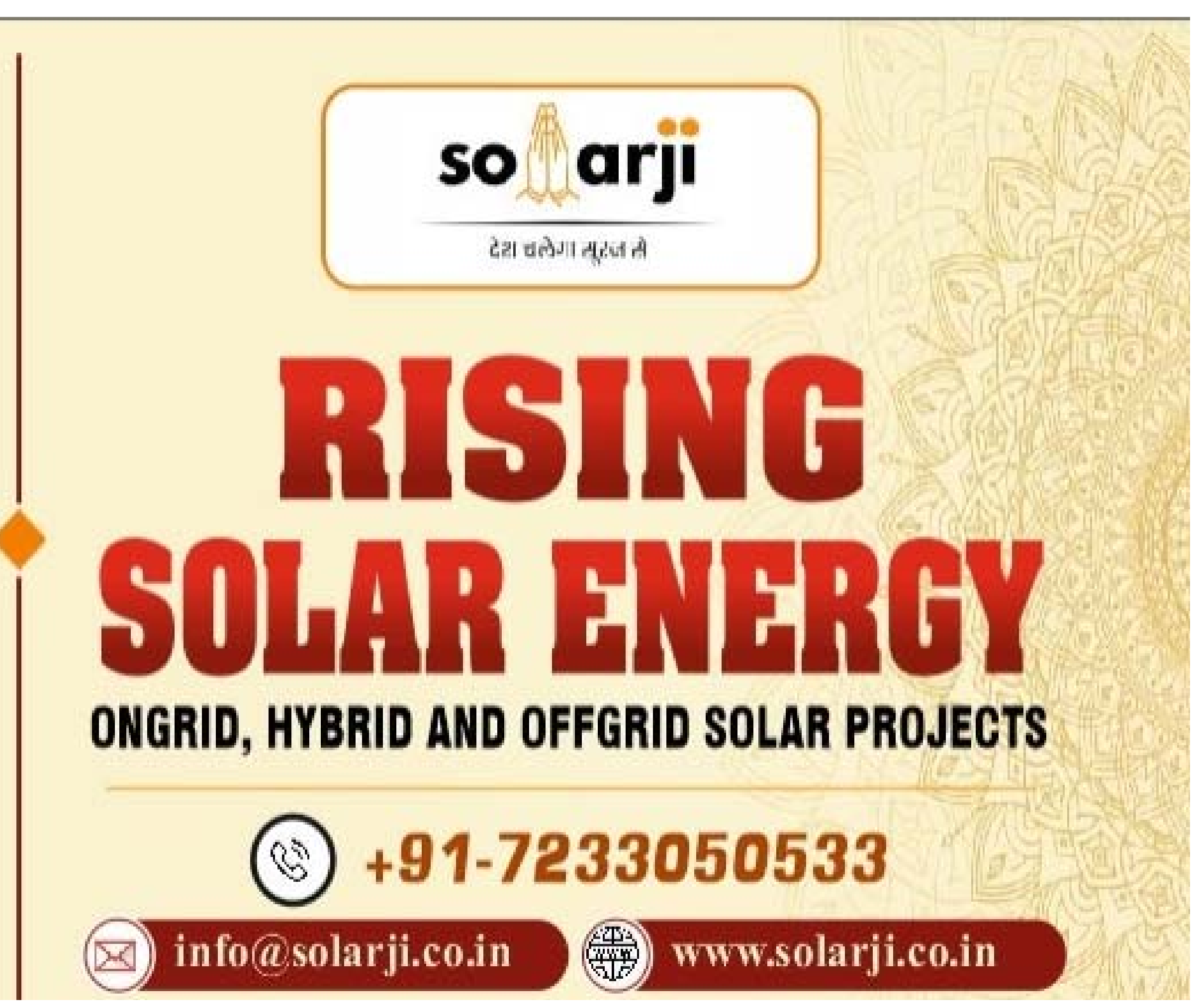

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सआप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।